IMAGINATIONS

A Multiskills English Course Book

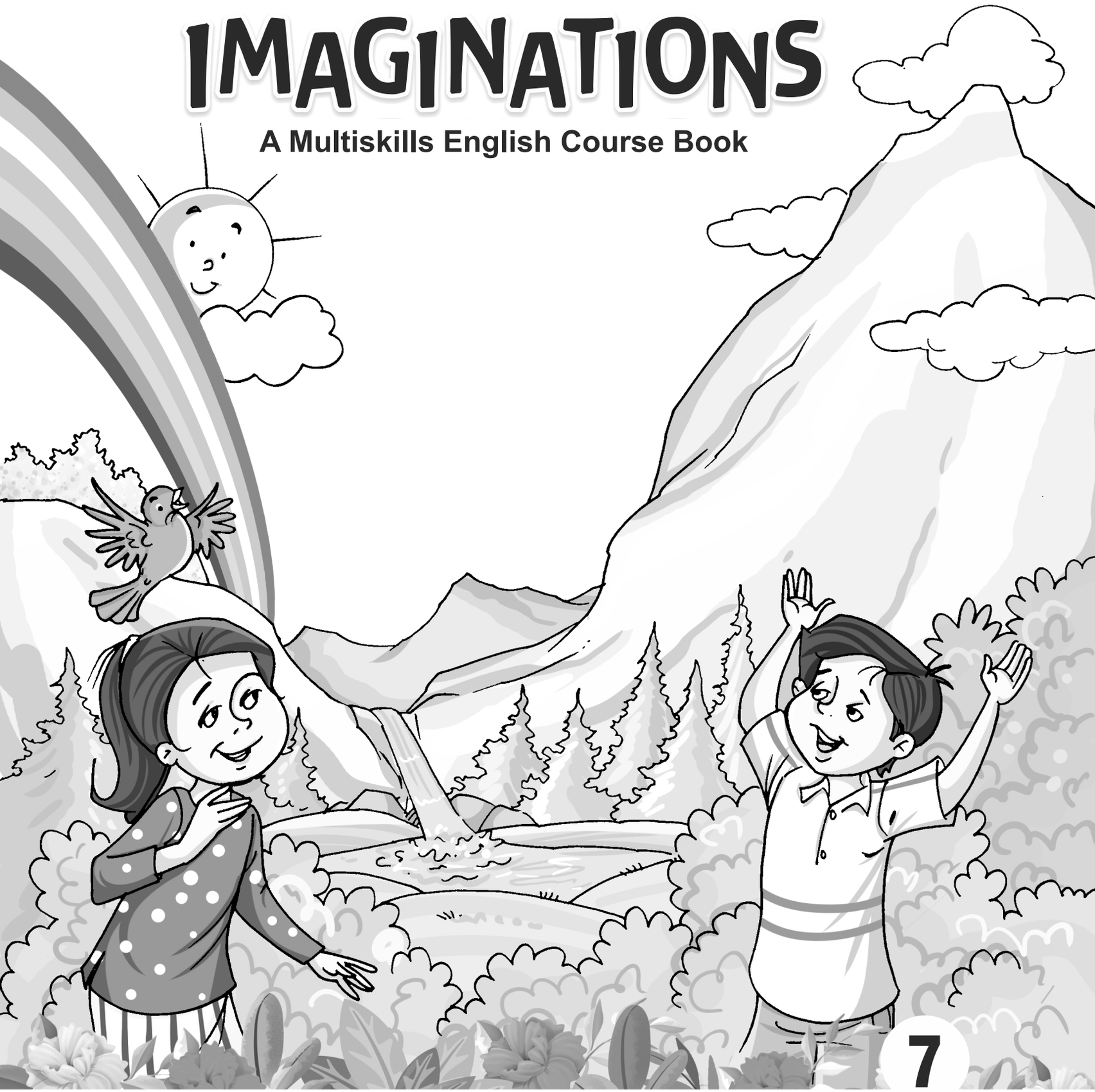

7

GRADE

1. Quality

आइए आरंभ करें!

क्या एक जूते बनाने वाले को कलाकार कह सकते हैं? हाँ, उसे अगर आपने कार्य में किसी अन्य कलाकार के समान कौशल और गर्व हो, और उसके लिए बराबर सम्मान भी। मि० गैस्लर, लंदन में बसा एक जर्मन जूता बनाने वाला, एक सम्पूर्ण कलाकार है। यह देखने के लिए कि वह किस प्रकार अपना जीवन अपनी कला पर न्यौछावर कर देता है, इस कहानी को पढ़िए।

मैं उन्हें अपनी भरपूर जवानी के दिनों से जानता था क्योंकि वह मेरे पिता के जूते बनाते थे। वह अपने बड़े भाई के साथ उनकी दुकान में, जोकि लंदन के एक फैशनपरस्त भाग में स्थित थी, में रहते थे।

दुकान में एक विशेष शान्त उत्कृष्टता थी। गैस्लर ब्रदर्स के अलावा उस पर कोई और चिह्न नहीं था और खिड़की में जूतों के कुछ जोड़े। वे केवल वही बनाते जिसका आदेश दिया गया हो और जो वो बनाते वे उपयुक्त होने में असफल न होते। जूते बनाने में—जैसे वह बनाते थे—मुझे रहस्यमयी और आश्चर्यजनक लगता था और आज भी लगता है।

मुझे अपनी शर्मीली टिप्पणियाँ अच्छी तरह याद हैं जब एक दिन, अपने जवान पाँव मैंने उनकी ओर बढ़ाते हुए कहा, ''मि० गैस्लर, क्या यह बहुत कठिन नहीं है?'' और उनकी दाढ़ी की लालिमा में से अचानक मुस्कान के साथ दिया गया उनका उत्तर : ''यह एक कला है!''

उनके यहाँ बार-बार जाना सम्भव नहीं था—उनके जूते बहुत लम्बे चलते, उनमें अस्थायी से आगे कुछ होता, जूतों का कुछ सार उनमें सिला हुआ।

उनकी दुकान में और दुकानों की तरह नहीं जाते, बल्कि आराम से, जैसे गिरजाघर में जाते हैं और लकड़ी की एकमात्र कुर्सी पर बैठकर इंतजार करते। एक खरखराती आवाज, लकड़ी की सँकरी सीढ़ियों पर खट-खट करती उनकी चप्पलें और बिना कोट के, थोड़े झुके, चमड़े के एप्रन में, बाहें मोड़े, पलकें झपकाते मानों उन्हें जूतों के सपने से जगा दिया गया हो, वे सामने आकर खड़े हो जाते।

और मैं कहता, ''आप कैसे हैं, मि० गैस्लर? क्या आप मेरे लिए रूसी चमड़े के एक जोड़ी जूते बना देंगे?''

बिना कुछ बोले वह मुझे आराम करते छोड़ वहीं चले जाते जहाँ से वह आए थे, दुकान के दूसरे भाग में, और मैं उनके धन्धे की गंध लेता हुआ लकड़ी की कुर्सी में आराम करता रहता। जल्दी ही वह अपने हाथों में सुनहरे-भूरे रंग के चमड़े का टुकड़ा पकड़े आते। उस पर नजरें गड़ाए वह कहते, ''कितना सुंदर टुकड़ा है!'' जब मैं भी उसकी प्रशंसा कर चुका होता, वह फिर से कहते, ''आप उन्हें कब चाहते हैं?'' और मैं उत्तर देता, ''ओह, जितनी जल्दी आप सुविधानुसार कर सकें।'' और वे कहते, ''कल पखवाड़े में?'' और अगर वे अपना बड़ा भाई होते : ''मैं अपने भाई से पूछूँगा।''

तब मैं बुदबुदाता, ''धन्यवाद। सुप्रभात, मि० गैस्लर।'' ''सुप्रभात'' अपने हाथ में चमड़े को अभी भी देखते हुए वो कहते। और जब मैं दरवाजे की ओर बढ़ता, तो मैं उन्हें उनके जूतों के सपने में ले जाते हुए लकड़ी की सीढ़ियों के ऊपर जाते उनकी चप्पलों की खट-खट सुनता।

मैं वह दिन नहीं भूल सकता जब मैंने उनसे कहा, ''मि० गैस्लर, आप जानते हैं जूतों का पिछला जोड़ा चरमरा रहा था।''

कुछ समय बिना बोले वह मुझे देखते, मानो वे मुझसे उस वक्तव्य को वापस लेने अथवा सुधारने की उम्मीद कर रहे हों, फिर बोले, ''उसे चरमराना नहीं चाहिए था।''

''मुझे डर है, ऐसा ही हुआ।''

''उन्हें स्वयं को पाने से पहले ही वे आपको मिल गये थे।''

''मुझे ऐसा नहीं लगता।''

इस पर उन्होंने अपनी नजरें झुका लीं, मानों उन जूतों को याद कर रहे हो और मुझे इतनी गम्भीर बात कहने का खेद हुआ। ''उन्हें वापस भेज दें,'' वह बोले, ''मैं उन्हें देख लूँगा।''

''कुछ जूते,'' वह धीरे-धीरे बोलते रहे, ''जन्म से बुरे होते हैं। अगर मैं कुछ नहीं कर पाया तो उन्हें आपके बिल से हटा दूँगा।''

एक बार (केवल एक बार) मैं किसी बड़ी दुकान से आपात स्थिति में खरीदे गये जूते पहनकर अनमना सा उनकी दुकान में गया। मुझे बिना कोई चमड़ा दिखाए उन्होंने मेरा आर्डर लिया और मैं उनकी आँखों को मेरे पैरों के घटिया आवरण में घुसते महसूस कर पा रहा था। आखिरकार वे बोले, ''वो मेरे जूते नहीं है।''

उनका स्वर गुस्से, दुख अथवा अवमानना का नहीं था मगर उसमें कुछ था जिसने खून जमा दिया। उन्होंने अपना हाथ नीचे करके और एक अँगुली बाएँ जूते के उस स्थान पर दबाई जहाँ वह आरामदायक नहीं था।

''यह आपको यहाँ तकलीफ देता है,'' वह बोले, ''उन बड़ी दुकानों में स्वाभिमान नहीं है।'' और फिर जैसे उनके भीतर कुछ टूट गया हो, वह देर तक क्रोध में बोलते रहे। वह एकमात्र समय था जब मैंने उन्हें अपने धन्धे की कठिनाइयों और परिस्थितियों के बारे में बात करते सुना।

''उन्हें सब कुछ मिलता है,'' वे बोले, ''उन्हें यह विज्ञापन से मिलता है, काम से नहीं। वे इसे हमसे, जो अपने जूतों से प्रेम करते हैं, ले लेते हैं। ऐसे होता है—वर्तमान में मेरे पास काम नहीं है। यह हर वर्ष कम होता जाता है। आप देख लेना।'' और उनके झुर्रीदार चेहरे को देखते हुए मैंने चीजें देखीं, कड़वी बातें और कड़वा संघर्ष और उनकी लाल दाढ़ी में अचानक दिखते हुए ढेर सारे पके बाल, जिन पर पहले ध्यान नहीं दिया था।

मुझसे जितना हो सका, मैंने उन अशुभ जूतों की परिस्थितियों के बारे में बताया। मगर उनके चेहरे और उनकी आवाज ने इतना गहरा प्रभाव डाला कि अगली कुछ मिनटों में मैंने अनेक जोड़ियों का आर्डर दे दिया। वे बहुत दिनों तक चले और मैं उसके पास लगभग दो वर्षों तक जा नहीं पाया।

कई महीनों बाद ही मैं उनकी दुकान पर दोबारा जा पाया। इस बार चमड़े के टुकड़े पर काम करते हुए, वह अपने बड़े भाई जैसे लग रहे थे।

''हाँ, मि० गैस्लर,'' मैं बोला, ''आप कैसे हैं?'' वह पास आए और मुझे देखा। ''मैं बहुत अच्छा हूँ,'' वह धीरे से बोले, ''मगर मेरे बड़े भाई मर गए।''

और मैंने देखा वाकई वही थे मगर कितने वृद्ध और बीमार लग रहे थे! और मैंने कभी भी उन्हें अपने बड़े भाई का जिक्र करते नहीं सुना था। बहुत हैरानी से मैं बुदबुदाया, ''ओह! मुझे क्षमा करें!''

''हाँ,'' उसने उत्तर दिया, ''वह अच्छे व्यक्ति थे, वह अच्छा जूता बनाते थे। मगर वे मर गए।''

और उन्होंने अपने सिर के ऊपर छूआ, जहाँ बाल अचानक इतने पतले हो गए थे जैसे कि उनके बेचारे भाई के थे, शायद उनकी मृत्यु का कारण बताने के लिए। ''क्या आपको कोई जूते चाहिए?'' और उन्होंने अपने हाथ में पकड़ा चमड़ा दिखाया। ''यह सुंदर टुकड़ा है।''

मैंने कई जोड़ों का आर्डर दिया। उनके आने में बहुत समय लगा, मगर वह पहले से बेहतर थे। उन्हें कोई भी आसानी से घिस नहीं सकता था। और उसके तुरन्त बाद मैं विदेश चला गया।

एक वर्ष से अधिक समय हो गया जब मैं दोबारा लंदन आया। और मैं सबसे पहले अपने मित्र की दुकान पर गया। मैं एक साठ वर्षीय व्यक्ति को छोड़ कर गया था, मैं वापिस आया पचहत्तर वर्षीय के पास, सूखा और बिना ऊर्जा के, जो इस बार, वास्तव में, मुझे एक बार में नहीं पहचान पाया।

''क्या आपको कोई जूते चाहिए?'' वह बोले, ''मैं उन्हें जल्दी बना सकता हूँ, खाली समय है।''

मैंने उत्तर दिया, ''कृपया, कृपया! मुझे चारों ओर लगे हुए हर प्रकार के जूते चाहिए।''

मैंने उन जूतों की उम्मीद छोड़ दी थी जब एक शाम वे आ गए। मैंने एक-एक करके उन्हें पहन कर देखा। आकार और उपयुक्तता में, चमड़े की गुणवत्ता व बनावट, वे अभी तक के सर्वश्रेष्ठ जूते थे जो उन्होंने बनाए थे। मैं तेजी से नीचे गया, एक चैक लिखा और अपने हाथों द्वारा डाक से भेज दिया।

एक सप्ताह बाद, उस गली के पास से निकलते हुए, मैंने सोचा कि जाकर उन्हें कहता हूँ उनके बनाए जूते कितने शानदार थे। मगर जब मैं उनकी दुकान पर पहुँचा, उनका नाम हट चुका था। मैं बहुत परेशान सा भीतर गया। दुकान के भीतर एक अंग्रेज नौजवान था।

''क्या मि० गैस्लर हैं?'' मैं बोला।

''नहीं श्रीमान,'' वह बोला।'' नहीं, मगर हम प्रसन्नता से आपकी कोई भी इच्छा पूरी कर सकते हैं। हमने दुकान ले ली है।''

''हाँ, हाँ,'' मैं बोला, ''किन्तु मि० गैस्लर?''

''ओह!'' उसने उत्तर दिया, ''मर गए।''

''मर गए! मगर यह जूते तो मैंने उनसे पिछले बुधवार को ही प्राप्त किए थे।''

''ओह!'' वह बोला, ''बेचारे ने खुद को भूखा मार लिया। डॉक्टर ने उसे धीमी भुखमरी बताया। वे ऐसे ही काम करते थे। दुकान खोले रखते, स्वयं के अलावा किसी और को जूतों को न छूने देते। जब उन्हें एक आर्डर मिलता, वे बहुत समय लेते। लोग इंतजार नहीं करते। उन्होंने सबको खो दिया। और वे वहाँ बैठे जीवित रहे। लेकिन उनके लिए एक बात कहूँगा—लंदन में कोई भी व्यक्ति उनसे अच्छे जूते नहीं बनाता था। मगर प्रतिस्पर्धा देखिए! वे विज्ञापन भी नहीं

देते थे। सबसे बढ़िया चमड़ा भी रखते और सब कुछ स्वयं करते। ठीक है, ऐसा ही है। आप उनके विचारों से और क्या उम्मीद रखते हैं?''

''मगर भुखमरी!''

''वह थोड़ा आकर्षक हो सकता है, जैसी कि कहावत है—मगर मैं स्वयं जानता हूँ कि वह अपने अन्तिम दिन तक, दिन और रात, जूते ही बनाते रहे। स्वयं को कभी भोजन करने का समय न दिया, कभी घर में एक फूटी कौड़ी नहीं थी। सब कुछ किराए और चमड़े में चला जाता। मैं नहीं जानता कि वे इतना लंबा कैसे जी गए। वे नियमित रूप से बीमार हो जाते। अच्छे व्यक्ति थे। मगर वे जूते अच्छे बनाते थे।''

''हाँ,'' मैंने कहा, ''वे जूते अच्छे बनाते थे।''

Exercise

A. 1. (c) 2. (b) 3. (a)

B. 1. leave 2. tip-tap 3. circumstances

C. 1. The author's opinion about Mr. Gessler as a bootmaker was that he was an artist. He had the same skill and pride in his trade as any other artist and the same respect for it too.

2. The author visited the shop so infrequently because Mr. Gessler's boots lasted very long. Besides, he was a regular traveller who went abroad as well.

3. When the author complained about a certain pair of boots that they creaked, Mr. Gessler looked at him for some time without replying as he wanted him to withdraw or quality the statement. Then he asked the author to send the boots back. And if he couldn't repair them, he would remove them from the author's bill.

4. Mr. Gessler's complaint about 'big firms' was they had no self-respect and got business by advertisement and not by hard work. In the process, they ruined the people who did their work with sincerity.

5. The author ordered so many pair of boots because he was feeling very sorry for Mr. Gessler. His elder brother had died, he was very bitter and he had no work.

No, he did not really need them.

D. Last month, my aunt decided to visit her parents. My uncle dropped her at the station and came back. He is very absent-minded. He decided to make his breakfast and was doing his own cooking. He put vegetables on the gas stove. Then he went outside to clean and oil his bicycle. He got busy and forget all about the vegetables cooking in the kitchen. All of a sudden, his neighbour called out that something was burning in the kitchen. At this, uncle remembered about the cooking vegetables and rushed to the kitchen. Now he forgot that he had machine oil in his hand. To save the vegetables, he put some oil on them. Unfortunately, it was

not cooking oil but machine oil. Because of uncle's absent-mindedness, the vegetables were spoiled.

E. Do it yourself. **F.** Do it yourself.

G. Do it yourself. **H.** Do it yourself.

I. Do it yourself. **J.** Do it yourself.

K.

initial	**medial**	**final**
sheep	fashion	trash
shriek	anxious	marsh
shore	portion	fish
sure	ashes	polish
shoe	pushing	moustache

L. Do it yourself.

(i) feature	(iv) reaching	(vii) riches
(ii) archery	(v) nature	(viii) batch
(iii) picture	(vi) matches	(ix) church

M. (i) looking into (ii) Look out (iii) looking up
(iv) look down (v) look in (vi) looked up to
(vii) look after

❑

2. Trees

आइए आरंभ करें!

कुछ मिनट लेकर एक दूसरे को उन वृक्षों के नाम बताइए जिनके बारे में आप जानते हों या उनके बारे में सुना हो। उन वस्तुओं के नाम बताइए जो वृक्ष हमें देते हैं। तब वृक्षों के बारे में इस कविता को पढ़िए।

वृक्ष पक्षियों के लिए हैं।
वृक्ष बालकों के लिए हैं।
वृक्ष ट्री हाउस बनाने के लिए हैं।
वृक्ष झूला झूलने के लिए हैं।
वृक्ष उनके बीच से पवन के बहने के लिए हैं।
वृक्ष लुकाछिपी में उनके पीछे छुपने के लिए हैं।
वृक्ष उनके नीचे चाय पार्टी करने के लिए हैं।
वृक्ष पतंगों को उनमें फँसने के लिए हैं।
वृक्ष गर्मी में ठंडी छाँव बनाने के लिए हैं।
वृक्ष सर्दी में छाँव नहीं बनाने के लिए हैं।
वृक्ष सेब और नाशपाती उगाने के लिए हैं।

वृक्ष काटकर 'लक्कड़' चिल्लाने के लिए हैं।
वृक्ष माताओं से कहलवाते हैं,
''कितना सुंदर चित्र बनाने के लिए है!''
वृक्ष पिताओं से कहलवाते हैं,
''कितनी सारी पत्तियाँ जेली से एकत्रित करने के लिए हैं!''

Exercise

A. 1. (c) 2. (c) 3. (c)

B. 1. cool 2. no 3. chop, "TIMBER-R-R!"

C. 1. The games or human activities which use trees, or in which trees also participate are making tree houses, swinging, playing hide and seek, having tea parties, sitting in cool shade, chopping them down and raking the leaves.

2. "Trees are to make no shade in winter." As we can see in the line immediately before it, as summer is hot, people sit in the cool shade of the trees to escape the heat. But trees lose their leaves in summer so they make no shade. As winter is cold, people like to sit in the sun and not shade.

3. I agree that one purpose of a tree is to have fruits on it. Fruits are part of our diet and provide as nourishment.
No, this line is factual and not humorous.

D. Do it yourself.

❑

3. The Ashes That Made Trees Bloom

आइए आरंभ करें!

यह कहानी एक ईमानदार और मेहनती वृद्ध युगल और उनके पालतू कुत्ते के बारे में है। उनके पड़ोसी लड़ाके हैं और कुत्ते की मृत्यु उदास कर देने वाली होती है। कुत्ते की आत्मा, अप्रत्याशित तरीकों से, अपने मालिक को सांत्वना और समर्थन देती है।

I

जापानी जमींदारों के पुराने अच्छे दिनों में, एक वृद्ध युगल रहता था जिनका एकमात्र पालतू जीव एक छोटा कुत्ता था। यद्यपि उनके बालक नहीं थे, वे इसे अपने बालक के समान ही प्रेम करते थे। वृद्ध महिला ने उसके लिए नीली रेशम का तकिया बनाया और भोजन के समय मूको, वही इसका नाम था, उस पर किसी बिल्ली के समान आराम से बैठता। वे दयालु लोग अपने पालतू जीव को अपनी चॉपस्टिक से मछली के टुकड़े और जितना भी उबले चावल वह चाहता

खिलाते। इस प्रकार के व्यवहार के बाद, वह मूक जीव अपने रक्षकों को एक बालक के समान प्रेम करता था।

वृद्ध व्यक्ति, जो कि धान का किसान था, प्रतिदिन अपने फावड़े और कुदाल लेकर अपने खेतों में जाकर, सवेरे से लेकर जब तक ओ टेंटो सामा (जोकि सूर्य का नाम है) पहाड़ियों के पीछे न डूब जाता, कड़ी मेहनत करता। प्रतिदिन कुत्ता उसके पीछे काम पर जाता और वृद्ध व्यक्ति के कदमों में से कीड़ों को उठाने को चलते सफेद बगुलों को कभी भी नुकसान नहीं पहुँचाता था। वृद्ध व्यक्ति हर उस वस्तु के लिए जिसमें प्राण होते थे, के साथ धैर्यवान और दयालु था और अक्सर, पक्षियों को भोजन देने के लिए, मिट्टी के ढेलों को पलट देता था।

एक दिन कुत्ता दौड़ते हुए उसके पास आया, अपने पंजे उसके पैरों पर रखे और पीछे किसी स्थान की ओर अपने सिर से इशारा किया। पहले तो वृद्ध व्यक्ति ने समझा कि उसका पालतू जीव केवल खेल रहा है और उसने बुरा नहीं माना। परन्तु कुत्ता कुछ क्षणों तक रिरियाता हुआ इधर-उधर दौड़ता रहा। फिर वृद्ध व्यक्ति कुत्ते के पीछे कुछ गज दूर उस स्थान पर गया जहाँ उस जीव ने तेजी से गड्ढा खोदना आरंभ कर दिया। यह सोचते हुए कि शायद दबी हुई हड्डी अथवा मछली का टुकड़ा हो, वृद्ध व्यक्ति ने कुदाल को धरती पर मारा, जब, और लो! सोने का एक ढेर उनके सामने चमकने लगा।

इस प्रकार, एक घंटे में वृद्ध युगल अमीर बन गए। उन अच्छी आत्माओं ने भूमि का एक टुकड़ा खरीदा, अपने मित्रों के लिए दावत का आयोजन किया और गरीब पड़ोसियों को बहुत कुछ दिया। जहाँ तक कुत्ते की बात है, वे उसे तब तक दुलारते रहे जब तक कि दयालुता से उसका दम ही न घुट गया।

अब इस गाँव में एक वृद्ध दुष्ट व्यक्ति और उसकी पत्नी रहते थे, जो तनिक भी संवेदनशील और दयालु न थे, जो सदा अपने घर के पास निकलने वाले सारे कुत्तों को लात मारते और उन पर चिल्लाते थे। अपने पड़ोसी के अच्छे भाग्य के बारे में सुनकर, उन्होंने कुत्ते को अपने बगीचे में आने को मनाया और उसके सामने, इस उम्मीद में कि वह उन्हें भी खजाना ढूँढ़कर देगा, मछली के टुकड़े और दूसरे स्वादिष्ट भोजन रख दिए। किन्तु कुत्ता, क्रूर युगल से डरा हुआ, न तो हिला और न ही उसने कुछ खाया।

फिर अपने साथ फावड़ा और कुदाल लेकर कुत्ते को बाहर घसीट लाए। जैसे ही कुत्ता बगीचे में उगते हुए देवदार के वृक्ष के पास पहुँचा, वह धरती को पैरों से खुरचने लगा मानों उसके नीचे बड़ा खजाना हो।

''पत्नी, जल्दी से मुझे फावड़ा और कुदाल दो!'' प्रसन्नता से नाचते हुए वह लालची वृद्ध मूर्ख चिल्लाया।

तब वह लालची वृद्ध फावड़े से और बूढ़ी डायन कुदाल से खोदने लगे, लेकिन वहाँ एक मृत बिल्ली के सिवा कुछ नहीं था जिसकी दुर्गन्ध ने उन्हें अपने उपकरण छोड़ देने और अपनी नाक बंद करने को मजबूर कर दिया। कुत्ते पर बहुत क्रोधित होते हुए वृद्ध व्यक्ति ने उसे लातें मारकर जान से मार दिया और वृद्ध महिला ने पैनी कुदाल से उसका सिर लगभग अलग करते हुए कार्य समाप्त कर दिया। तब उन्होंने उसे गड्ढे में फेंकते हुए उसकी लाश को मिट्टी से ढक दिया।

कुत्ते के मालिक ने अपने पालतू जीव की मृत्यु के बारे में सुना और ऐसे शोक मनाते हुए कि मानो वह उसका स्वयं का बच्चा हो, रात को देवदार के वृक्ष के नीचे गया। उसने धरती में कुछ पोले बाँस गाड़े, जैसे कि समाधि के सामने उपयोग होते हैं, जिनमें उसने ताजे फूल लगा दिए। फिर उसने कब्र पर भोजन की एक ट्रे और जल का एक प्याला रखकर अनेक महँगी अगरबत्तियाँ जलाईं। उसने अपने पालतू जीव को अनेक प्यार के नामों से पुकारते हुए, मानो की वह जीवित हो, बहुत देर तक शोक मनाया।

उस रात कुत्ते की आत्मा उसके सपने में आई और उससे कहा, ''मेरी कब्र के ऊपर के देवदार के वृक्ष को काटो और उससे अपनी चावल की पेस्ट्री के लिए एक ओखली और फली की चटनी के लिए एक चक्की बना लो।''

इसलिए वृद्ध व्यक्ति ने वृक्ष को काटकर उसके तने के बीच से लगभग दो फुट लंबा टुकड़ा काटा। कड़ी मेहनत करते हुए, थोड़ा आग से और थोड़ा छैनी से, उसने एक छोटे कटोरे के जितना एक पोला टुकड़ा खुरचा। फिर उसने जैसा कि चावल पीसने के लिए उपयोग होता है, लकड़ी का एक लंबे हत्थे का हथौड़ा बनाया। जब नव वर्ष का समय पास आया, तो वह चावल की कुछ पेस्ट्रियाँ बनाना चाहता था। जब चावल उबल गए तो दादी ने उन्हें ओखली में भर दिया, तो वृद्ध व्यक्ति ने उस ढेर को गुंथे आटे में पीसने के लिए अपना हथौड़ा उठाया और चोट भारी और तेज पड़ रही थीं जब तक कि पेस्ट्री सिंकने को तैयार न हो गई। अचानक ही पूरा ढेर सोने के सिक्कों की ढेरी में बदल गया। जब वृद्ध महिला ने हाथ-चक्की को लेकर उसे फलियों से भरकर पीसना आरंभ किया, सोना वर्षा के समान बरसने लगा।

इसी दौरान ईर्ष्यालू पड़ोसन, जब उबली फलियाँ पीसी जा रही थीं, ने खिड़की में से झाँका। ''मेरी माँ!'' टपकती चटनी की प्रत्येक बूँदों को पीले सोने में बदलते देख बूढ़ी डायन चिल्लाई और कुछ ही मिनटों में चक्की के नीचे रखा टब सोने के चमकते ढेर से भर गया।

इस प्रकार, वह वृद्ध युगल फिर से अमीर हो गए। अगले दिन कंजूस और दुष्ट पड़ोसी आए और ओखली तथा जादुई चक्की उधार माँगकर ले गए। उन्होंने एक को उबले चावल तथा दूसरे को फलियों से भरा। फिर वृद्ध व्यक्ति कूटने लगा महिला पीसने लगी। किन्तु पहली चोट और घुमाने पर, पेस्ट्री और चटनी कीड़ों के बदबूदार ढेर में बदल गए। इस पर और क्रोधित होते हुए उन्होंने आग में जलाई जाने वाली लकड़ी की तरह उपयोग करने के लिए चक्की के टुकड़े-टुकड़े कर दिए।

II

उसके थोड़े समय बाद, अच्छे वृद्ध व्यक्ति ने फिर से सपना देखा और कुत्ते की आत्मा ने उससे बात की और उसे बताया कि दुष्ट लोगों ने देवदार के वृक्ष से बनी चक्की को जला दिया है। ''चक्की करी राख लेकर मुरझाए वृक्षों पर छिड़क दो और वे फिर से खिल उठेंगे,'' कुत्ते की आत्मा ने कहा।

वृद्ध व्यक्ति जगा और तुरन्त दुष्ट पड़ोसी के घर गया, जहाँ उसने उसे दयनीय वृद्ध जोड़े को फर्श के बीचोंबीच बने चौकोर भट्टी के सिरे पर बैठे हुए, कातते और हुक्का गुड़गुड़ाते हुए देखा। समय-समय पर वे चक्की के कुछ टुकड़ों से निकलती दहक से हाथों और पैरों को सेंक रहे थे, जबकि उनके पीछे टूटे टुकड़ों का एक ढेर पड़ा था।

अच्छे वृद्ध व्यक्ति ने विनम्रतापूर्वक राख माँगी। यद्यपि लालची युगल ने उसकी ओर तिरस्कार से देखा और उसे ऐसे डाँटा मानो वह कोई चोर हो, उन्होंने उसे अपनी टोकरी में राख भर लेने दी। घर आने पर, वृद्ध व्यक्ति अपनी पत्नी को बगीचे में ले गया। चूँकि गर्मियाँ थीं, उनका पसंदीदा चैरी का वृक्ष खाली था। उसने उस पर एक चुटकी राख फेंकी और लो, उस पर फूल खिल गए जब तक कि वह गुलाबी फूलों का एक बादल नहीं बन गया जिसने वायु को सुगन्धित कर दिया। यह समाचार सारे गाँव में फैल गया और इस आश्चर्य को देखने के लिए हरेक बाहर दौड़ा।

लालची युगल ने भी कहानी सुनी और चक्की की सारी राख को इकट्ठा करके मुरझाए वृक्षों को खिलाने के लिए रख लिया।

दयालु वृद्ध ने, यह सुनकर कि उसके मालिक, डायमियो, गाँव के पास से निकलने वाली ऊँची सड़क से जाने वाले थे, अपनी राख की टोकरी ले उनसे मिलने चल दिया। जब जुलूस पास आया तो वह रास्ते में खड़े मुरझाए पुराने चैरी के वृक्ष पर चढ़ गया।

अब, जमींदारों के समय में यह प्रथा थी कि जब उनके मालिक निकलते, सारे स्वामिभक्त लोगों को अपनी ऊँची खिड़कियाँ बंद करनी पड़ती। वे उन पर कागज के टुकड़े भी चिपका देते ताकि वे अपने मालिक को नीचे देखने की धृष्टता न कर सकें। सारे लोग अपने हाथों और घुटनों पर गिर जाते और जब तक जुलूस निकल न जाता, धरती पर औंधे मुँह लेटे रहते।

जुलूस पास आ गया। एक लंबा, सक्षम व्यक्ति, सड़क पर लोगों पर चिल्लाता हुआ, ''अपने घुटनों पर बैठ जाओ! अपने घुटनों पर बैठ जाओ!'' आगे चल रहा था और जुलूस के निकलते समय प्रत्येक अपने घुटनों पर बैठ गया।

अचानक जुलूस के मुखिया ने वृक्ष पर चढ़े हुए वृद्ध व्यक्ति को देखा। वह उसे गुस्सैल स्वर में आवाज देने ही वाला था, मगर यह देखकर कि वह इतना वृद्ध व्यक्ति था, उसने उसे नहीं देखने का बहाना किया और आगे बढ़ गया और जब डायमियो की पालकी पास आई, तो वृद्ध व्यक्ति ने एक चुटकी राख लेकर उसे वृक्ष के ऊपर बिखेर दिया। एक ही क्षण में उस पर फूल खिल आए।

अति प्रसन्न डायमियो ने जुलूस को रोकने का आदेश दिया और आश्चर्य देखने के लिए बाहर आ गया। वृद्ध व्यक्ति को अपने पास आने के लिए कहते हुए, उसने उसे धन्यवाद दिया और उसे रेशमी वस्त्र, स्पंज केक, पंखे और दूसरे इनाम देने का आदेश दिया। उसने उसे अपने किले में भी आमंत्रित किया।

तब वृद्ध व्यक्ति प्रसन्नता से अपनी प्रिय पत्नी से अपना आनंद बाँटने घर चला गया।

किन्तु जब लालची पड़ोसी ने इसके बारे में सुना, उसने कुछ जादुई राख ली और राजमार्ग पर चला गया। वह वहाँ एक डायमियो के जुलूस का इंतजार करता रहा और भीड़ की तरह घुटनों पर बैठने की बजाय, वह एक सूखे चैरी के वृक्ष पर चढ़ गया।

जब डायमियो स्वयं उसके नीचे आ गया, उसने एक मुट्ठी भर राख वृक्ष पर फेंकी मगर एक कण भी नहीं बदला। वायु ने उस महीन धूल को डायमियो और उसकी पत्नी की आँखों और नाकों में घुसा दिया। कितना छींकना-खाँसना हो रहा था! उसने जुलूस की सारी शान और भव्यता को बिगाड़ दिया। वह व्यक्ति जिसका कार्य, ''अपने घुटनों पर बैठ जाओ'' चिल्लाना

था, वृद्ध मूर्ख को गिरेबान से पकड़ा, वृक्ष से उसे घसीटकर, उसे और उसकी राख की टोकरी को सड़क के साथ के गड्ढे में लुढ़का दिया। फिर उसे अच्छी तरह पीटते हुए, मरा समझकर छोड़ दिया।

इस प्रकार दुष्ट वृद्ध व्यक्ति कीचड़ में मर गया, मगर कुत्ते का दयालु मित्र शान्ति और समृद्धि में रहा और वह और उसकी पत्नी दोनों लंबी आयु तक जिए।

Exercise

A. 1. (b) 2. (c) 3. (a)

B. 1. spade, hoe 2. hammer 3. boiled rice, beans

C. 1. The old farmer was a kind old man. The evidences in the first two paragraphs are as follows:
(a) He loved the pet as though it were a baby.
(b) He fed it fish and boiled rice with his own chopsticks.
(c) He was patient and kind to everything that had life.
(d) He turned up a sod on purpose to give food to the birds.

2. To lead the farmer to the hidden gold, the dog put his paws against his legs and motioned with his head to some spot behind. When the farmer did not listen to him, he whined and ran to and fro for some minutes. When the old man finally followed him to the spot, the dog began a lively scratching.

3. The spirit of the dog helped the farmer first by telling him to cut down the tree over its grave and making from it a mortar for rice pastry and a mill for bean sauce.

4. Next, it helped him by asking him to take the ashes of the mill and sprinkle them on the withered trees to make them bloom again.

5. The daimio rewarded the farmer because he had turned the withered old cherry tree into a pink cloud of blossom. He punished the neighbour for the same act as he had made him and his wife sneeze and choke, thereby spoiling the pomp and dignity of the procession.

D. he writes in both Hindi and English.
many books in English but only a few short stories in Hindi.
as my Hindi is much better than my English.

E. Do it yourself.

F. Do it yourself.

G. (i) Where is Anil?
(ii) Where is Anil sitting?
(iii) What is Anil doing?
(iv) Where is Anil's friend sitting?
(v) What is he doing?
(vi) What is the teacher doing?
(vii) What are some children doing?

H. Neha : **When** did you get this book?
Sheela : Yesterday morning.
Neha : **Why** is your sister crying?
Sheela : Because she has lost her doll.
Neha : **Whose** room is this, yours or hers?
Sheela : It's ours.
Neha : **How** do you go to school?
Sheela : We walk to school. It is near by.

I. (i) what, where (ii) which (iii) how
(iv) when (v) how, when, where (vi) what, when

J. (i) The project appears *impossible* at first sight but it can be completed if we work very hard.
(ii) He is *incompetant.* That's why he can't keep any job for more than a year.
(iii) "Don't be *impatient* your letter will come one day," the postman told me.
(iv) That's an *improper* remark to make under the circumstances.
(v) He appears to be *insensitive.* In fact, he is very emotional.

K. There was once **a** play which became very successful. **A** famous actor was acting in it. In **the** play, his role was that of **an** artistocrat who had been imprisoned in **a** castle for twenty years. In **the** last act of **the** play, someone would come on **the** stage with **a** letter which he would hand over to **the** prisoner. Even though **the** aristocrat was not expected to read **the** letter at each performance, he always insisted that **the** letter be written out from beginning to end.

L. A : Would you like **an** apple or **a** banana?
B : I'd like **an** apple, please.
A : Take **the** red one in **the** fruit bowl. You may take **an** orange also, if you like.
B : Which one?
A : **The** one beside **the** banana.

❑

4. Chivvy

आइए आरंभ करें!

स्वयं से तथा अपने साथी से पूछिए: क्या आपको सदा कहा जाना कि क्या करना है और क्या नहीं करना अच्छा लगता है? क्या आपके अनुभव में बड़े ऐसा करते हैं?

बड़े इस प्रकार की बातें करते हैं:

उत्तर दो
मुँह भरा होने पर मत बोलो
मत घूरो
इशारे मत करो
अपनी नाक में अंगुली मत डालो
उठ कर बैठ जाओ
कृपया बोलो
शोर कम करो
दरवाजा बंद करो
अपने पैरों को मत घसीटो
क्या तुम्हारे पास रुमाल नहीं है?
अपनी जेब से अपने हाथ बाहर निकालो
अपने मोजे ऊपर खींचो
तन कर खड़े हो
धन्यवाद कहो
बीच में मत बोलो
कोई नहीं सोचता तुम विनोदी हो
अपनी कोहनी को मेज से हटाओ
क्या तुम किसी भी वस्तु के बारे में स्वयं नहीं सोच सकते?

Exercise

A. 1. (c) 2. (c) 3. (a)

B. 1. pick 2. feet 3. No one

C. 1. A grown-up is likely to say *don't talk with your mouth full* if we are eating and talking at the same time.

2. We are likely to be told *say thank you* when someone gives us something and does something for us.
3. An adult would say *no one thinks you are funny* if we are doing something silly or telling some silly joke.
4. In these lines, the adult is asking the child to take a decision. Yes, the poet is suggesting that this is unreasonable because child must be asking his mother to decide for him.
5. The grown-ups say the kind of things mentioned in the poem as it is important to teach good manners to children and how to behave in public.
6. Do it yourself.

❑

5. Three Questions

आइए आरंभ करें!

एक राजा के तीन प्रश्न हैं और वह उनके उत्तर ढूँढ़ रहा है। प्रश्न क्या हैं? क्या राजा को मिलता है जो वह चाहता है?

I

किसी एक राजा के विचार आया कि वह कभी भी असफल अगर तीन बातें जानता हो। वह तीन बातें थीं: किसी कार्य को आरम्भ करने का सही समय क्या है? उसे किन लोगों की सुननी चाहिए? उसके करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य क्या है?

इसलिए राजा ने अपने राज्य में, इन तीन प्रश्नों का उत्तर देने वालों को बड़ी रकम देने का वचन देते हुए, संदेशवाहक भेजे।

राजा के पास अनेक बुद्धिमान व्यक्ति आये, मगर उन सब ने उसके प्रश्नों के अलग-अलग उत्तर दिये।

पहले प्रश्न के उत्तर में, कुछ ने कहा कि राजा को समय-सारिणी बनानी चाहिए, और फिर उसका पालन कड़ाई से करना चाहिए। वे बोले, केवल इसी प्रकार से वह सब कुछ उसके उचित समय पर कर पाएगा। दूसरों ने कहा कि कुछ करने के लिए उसके सही समय के बारे में पहले से ही निर्णय लेना असम्भव है। जो कुछ हो रहा हो, राजा को उस पर ध्यान देना चाहिए, मूर्खतापूर्ण आनंद से बचना चाहिए, और सदा वही करना चाहिए जो उस समय आवश्यक हो। और दूसरों ने कहा कि राजा को बुद्धिमान व्यक्तियों की परिषद, जो उसे उचित समय पर कार्य करने में सहायता करेगी, की आवश्यकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक व्यक्ति के लिए, दूसरों की सहायता के बिना, प्रत्येक कार्य के लिए सही समय का निर्णय लेना असम्भव होगा।

मगर तब दूसरों ने कहा कि कुछ कार्य अत्यावश्यक हो सकते हैं। ऐसे कार्य परिषद के निर्णय की प्रतीक्षा नहीं कर सकते। किसी कार्य को करने के सही समय का निर्णय लेने के लिए, भविष्य में देखना आवश्यक है। ऐसा केवल जादूगर कर सकते थे। इसलिए राजा को जादूगरों के पास जाना होगा।

दूसरे प्रश्न के अपने उत्तरों में, कुछ ने कहा राजा के लिए सबसे आवश्यक उसके पार्षद थे; दूसरों ने पुजारी कहा। कुछ अन्य दूसरों ने चिकित्सकों को चुना। और कुछ ने कहा कि उसके सैनिक उसके लिए सबसे अधिक आवश्यक थे।

तीसरे प्रश्न के लिए, कुछ ने विज्ञान कहा। दूसरों ने लड़ाई का चयन किया और अन्य दूसरों ने धार्मिक पूजा।

चूँकि उसके प्रश्नों के उत्तर इतने भिन्न थे, राजा सन्तुष्ट नहीं हुआ और कोई पुरस्कार नहीं दिया। उसके स्थान पर उसने एक सन्यासी, जो अपनी बुद्धिमत्ता के लिए प्रसिद्ध था, की राय लेने का निर्णय लिया।

सन्यासी एक छोटे वन, जिसे उसने कभी छोड़ा नहीं था, में रहता था। वह साधारण लोगों को छोड़कर किसी और से नहीं मिलता था इसलिए राजा ने साधारण वस्त्र पहने। सन्यासी की झोपड़ी पहुँचने से पहले राजा ने अपने घोड़े को अपने अंगरक्षक के पास छोड़ दिया, और अकेला चला गया।

राजा जब सन्यासी की झोपड़ी के निकट आया, उसने सन्यासी को अपनी झोपड़ी के आगे खोदते देखा। उसने राजा का अभिवादन किया और खुदाई करना रहा। सन्यासी वृद्ध और कमजोर था, और जैसे वह कार्य कर रहा था, वह जोर से साँस ले रहा था।

राजा सन्यासी के पास गया और बोला, ''बुद्धिमान सन्यासी, मैं आपके पास तीन प्रश्नों के उत्तर जानने आया हूँ: मैं किसी भी कार्य को करने सही समय कैसे सीख सकता है? किन लोगों की मुझे सबसे अधिक आवश्यकता है? कौन-से प्रसंग सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण होते हैं?''

सन्यासी ने राजा की सुनी मगर कहा कुछ नहीं। वह खोदता रहा। ''आप थक गये हैं,'' राजा ने कहा। ''मुझे फावड़ा लेकर अपने स्थान पर कार्य करने दीजिए।''

''धन्यवाद,'' राजा को अपना फावड़ा देते हुए सन्यासी बोला फिर वह भूमि पर बैठ गया।

जब राजा ने दो क्यारियाँ खोद लीं, वह रुका और अपने प्रश्नों को दोहराया।

सन्यासी ने कोई उत्तर नहीं दिया, मगर खड़ा हुआ, फावड़े के लिए हाथ बढ़ाया और बोला, ''अब तुम आराम करो, और मुझे काम करने दो।''

मगर राजा ने उसे फावड़ा न दिया और खोदना जारी रखा।

एक घंटा बीत गया, फिर दूसरा। सूर्य वृक्षों के पीछे चला गया और अन्त में, राजा ने फावड़े को भूमि में गाड़ दिया और बोला, ''बुद्धिमान व्यक्ति, मैं आपके पास मेरे प्रश्नों के उत्तर के लिए आया था। अगर आप मुझे कोई उत्तर नहीं दे सकते, मुझसे कह दीजिए और मैं घर वापस लौट जाऊँगा।''

''कोई यहाँ भागता हुआ आ रहा है,'' सन्यासी बोला।

II

राजा पीछे की ओर घूमा और उनकी ओर भागते आते एक दाढ़ी वाले व्यक्ति को देखा। उसके हाथ उसके पेट, जिसमें से खून बह रहा था, को दबाए हुए थे। जब वह राजा के निकट पहुँचा, वह बेहोश होकर भूमि पर गिर गया। राजा और सन्यासी ने व्यक्ति के कपड़े हटाए और उसके पेट पर एक बड़ा घाव देखा। राजा ने उसे धोकर उसे अपने रुमाल से ढक दिया, मगर खून का बहना बंद नहीं हुआ। राजा ने घाव पर फिर से पट्टी बाँधी और अन्त में खून बहना बंद हो गया।

व्यक्ति को बेहतर लगा और पीने के लिए कुछ माँगा। राजा ने स्वच्छ जल लाकर उसे दिया। इस समय तक सूर्य अस्त हो गया था और वायु शीतल थी। राजा, सन्यासी की सहायता से, घायल व्यक्ति को झोपड़ी के अन्दर ले गया और उसे बिस्तर पर लिटा दिया। व्यक्ति ने अपनी आँखें बंद कीं और शान्ति से लेट गया। राजा, अपने आने और किये गये कार्य से थका हुआ, फर्श पर लेट गया और पूरी रात सोता रहा। जब वह जगा, उसे यह याद करने, कि वह कहाँ था या बिस्तर पर लेटा अजीब दाढ़ी वाला व्यक्ति कौन था, में कई मिनट लगे।

''क्षमा करें!'' उस दाढ़ी वाले ने कमजोर आवाज में कहा जब उसने राजा को जागे देखा।
''मैं तुम्हें नहीं जानता और तुम्हें क्षमा करने का कोई कारण नहीं है,'' राजा बोला।
''आप मुझे नहीं जानते मगर मैं आपको जानता हूँ। मैं आपका वह शत्रु हूँ जिसने आप से बदला लेने की कसम खाई थी, क्योंकि आपने मेरे भाई को मृत्युदंड दिया था और मेरी सम्पत्ति छीन ली थी। मुझे पता था कि आप उस सन्यासी को मिलने अकेले गये हैं और मैंने आपको घर लौटते समय आपको मारने का मन बना लिया था। किन्तु दिन बीत गया और आप वापस नहीं आये। इसलिए मैं अपने छिपने के स्थान से बाहर निकला और आपके अंगरक्षक के सामने आ गया, जिसने मुझे पहचान लिया और घायल कर दिया। मैं उससे बचकर भागा और अगर आपने मेरे घाव की पट्टी नहीं करी होती तो मैं मर गया होता। मैं आपको मारना चाहता था और आपने मेरा जीवन बचाया। अगर अब मैं जीवित रहा, मैं आपके निष्ठावान सेवक की तरह आपकी सेवा करूँगा और अपने पुत्रों को भी ऐसा करने का आदेश दूँगा। मुझे क्षमा करें!''
अपने शत्रु से इतनी आसानी से शान्ति स्थापित होने और उसके मित्र बनने से राजा बहुत प्रसन्न हुआ। उसने न केवल उसे क्षमा किया बल्कि यह भी कहा कि उसकी देखभाल करने के लिए अपने सेवक और चिकित्सक भेजेगा, और उसने उसकी सम्पत्ति वापस करने का वचन दिया।
घायल व्यक्ति को छोड़ते हुए, राजा झोपड़ी के बाहर गया और सन्यासी को चारों ओर ढूँढ़ने लगा। जाने से पहले अपने प्रश्नों के उत्तर जानने की उसकी दोबारा इच्छा हुई। सन्यासी घुटनों के बल बैठकर एक दिन पहले खोदी गई क्यारियों में बीज बो रहा था। राजा सन्यासी के पास गया और बोला, ''बुद्धिमान व्यक्ति, मैं अन्तिम बार आपसे मेरे प्रश्नों के उत्तर देने की भीख माँगता हूँ।
''तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दिया जा चुका है!'' अभी भी भूमि पर झुके हुए और अपने सामने खड़े राजा को देखते हुए सन्यासी बोला।
''मुझे उत्तर दिये जा चुके हैं? आपका क्या अर्थ है?''
''क्या आपको नहीं दिखता?'' सन्यासी ने उत्तर दिया। ''कल अगर तुम मेरी कमजोरी पर तरस खा कर मेरी क्यारियाँ न खोदते तो तुम चले गये होते। तब यह व्यक्ति तुम पर हमला करता और तुम चाहते कि तुम मेरे साथ रह गये होते। इसलिए सबसे महत्त्वपूर्ण समय था जब तुम क्यारियाँ खोद रहे थे। और सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति मैं था, और मेरा भला करना तुम्हारा सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य था। बाद मैं, जब वह व्यक्ति दौड़ता हुआ हमारे पास आया, सबसे महत्त्वपूर्ण समय था जब तुम उसका ध्यान रख रहे थे, क्योंकि अगर तुमने उसके घाव पर पट्टी न बाँधी होती तो वह तुमसे शान्ति स्थापित किये बिना ही मर गया होता। इसलिए वह सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति था, और तुम्हारा सबसे कार्य था जो तुमने उसके लिए किया।
याद रखो, केवल एक ही समय महत्त्वपूर्ण है और वह समय है 'अभी'। यह सबसे महत्त्वपूर्ण समय है क्योंकि केवल इसी समय में हमारे पास कार्य करने की शक्ति होती है।
सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति वह होता है जिसके साथ तुम एक विशेष क्षण में होते हो, क्योंकि कोई नहीं जानता कि भविष्य में क्या होगा और या फिर हम किसी अन्य से मिल पाएँगे। सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य उस व्यक्ति का भला करना है, क्योंकि हमें इस विश्व में केवल इसी उद्देश्य के लिए भेजा जाता है।''

Exercise

A. 1. (c) 2. (b) 3. (a)

B. 1. greeted, digging 2. affairs 3. better, something

C. 1. Some of the wise men thought that to decide the right time to do something, one must look into the future and only magicians were able to do that. So, they advised the king to go to the magicians.

2. First of all, the king cleaned the wound by washing it. Then he covered the wound with his handkerchief. He continued to dress the wound until the bleeding stopped entirely. The king gave some water to the wounded man to drink.

   The king and the hermit carried the wounded men inside the hut and let him take rest in the hut in the night.

3. The king forgave the bearded man. He showed his forgiveness by offering to send his doctor and servants to take care of the wounded man. He also promised to return his property.

4. The hermit's answers to the three questions were:

   (a) The right time to do something is "now" because it is the only time when we can act.

   (b) The most important person is the person you are with at a particular moment because we don't know what will happen in the future.

   (c) The most important thing to do is to do good to the person because we are here on the earth for that purpose alone.

D. 1. Many wise men answered the king's questions, **but their answers were so varied that the king was not satisfied**.

2. Someone, suggested that there should be a council of wise men **to help the king act at the right time**.

3. Someone else suggested that the king should have a timetable **and follow it strictly**.

4. The king requested the hermit **to answer three questions**.

5. The king washed and dressed the bearded man's would, **but the bleeding would not stop**.

E. The wise men answered my questions, but I was not satisfied with their answers. One day I decided to go and meet the hermit who was renowned for his wisdom. I went to him and saw him digging the ground. I asked him if he could answer the three questions. I sought answers to. But he continued digging and did not respond at all. I felt that he was getting tired so I offered to help him in digging. He handed over the spade to me. I kept digging for a while. Then I repeated my questions and asked if he would answer them. Even then, there was no response from his side. Then he pointed towards a wounded man approaching us.

F. One day I was digging in my garden. A man in ordinary clothes came to see me. I knew the was the king but remained calm. He told me that he sought answers to three questions and wanted me to answer those. I politely greeted him and then continued to dig the earth. I was continuously digging and felt tired. Seeing this, the king offered me help. I accepted and handed over the spade to him. He began to dig and after some time, he again asked me the same three questions. I still chose not to respond and offered him help if he was tired. He refused and continued to dig.

After some time, I saw a wounded man approaching us.

G.

A	B
(i) Wounded	(d) severely injured
(ii) awoke	(a) got up from sleep
(iii) forgive	(e) pardon
(iv) faithful	(f) loyal
(v) pity	(g) feel sorry for
(vi) beds	(c) small patches of ground for plants
(vii) return	(b) give back

1. Ravi had to return the bike to his friend.
2. One should be faithful to one's friends.
3. The dreadful dream awoke Raunaq from sleep.

H. (i) necessary, necessity (ii) decided, decision
(iii) forgiveness, forgive (iv) judge, judgement
(v) difference, differed (vi) wise, wisdom
(vii) answer, answer ❑

6. The Squirrel

आइए आरंभ करें!

आपने भूमि पर बैठकर दाने खाते गिलहरी को देखा होगा। वह कैसा दिख रहा था? नीचे एक ऐसे ही एक गिलहरी का कवि द्वारा विवरण दिया गया है।

वह प्रश्नचिह्न के जैसी पूँछ रखता है,
उसका ओवरकोट स्लेटी रंग का है,
वह मेवा खाने को सीधा बैठ जाता है।
वह छेड़ना और खेलना पसंद करता है।
और अगर हम उसके वृक्ष के चारों ओर दौड़ते हैं,
वह दूसरी ओर चला जाता है।

Exercise

A. 1. (c) 2. (b) 3. (a)

B. 1. question mark 2. straight, nut 3. tease, play

C. 1. The poet says the squirrel "wore a question mark for tail" as the tail of the squirrel is curled in a way that it appeared like a question mark.

2. No, we usually don't say that an animal 'wears' a tail. Instead, we say the animal 'has' a tail.
   According to the dictionary, the word 'wear' is used to mean something that is used to cover. For example, we wear clothes.

3. "He liked to tease and play." Here, the poet is teasing the squirrel. The poet approaches the squirrel, and as soon as he nears the squirrel, it runs away in a different direction. ❑

7. A Gift of Chappals

आइए आरंभ करें!

मृदु मद्रास (अब चेन्नई) में तापी, उसकी नानी और थाथा, उसके नाना के साथ बड़े होते हुए एक छोटी लड़की है। एक दोपहर, तापी उसे उसकी मौसी, रूक्कू मन्नी के घर, उसके मौसेरे भाई-बहनों, लल्ली, रवि और मीना से मिलाने ले जाती हैं।

I

मुस्कुराती रूक्कू मन्नी ने दरवाजा खोला। रवि व मीना बाहर भागे और रवि ने मृदु को भीतर खींच लिया। ''रुको, मुझे मेरी चप्पलें उतारने दो,'' मृदु ने विरोध जताया। उसने उन्हें एक बड़ी काली चप्पलों के जोड़ी के पास ठीक से रख दिया। वे वास्तव में, धूल के कारण स्लेटी हो गई थीं। आप हर चप्पल के अगले भाग पर प्रत्येक अंगुली के निशान देख सकते थे। अँगूठों के निशान लम्बे और पतले थे।

मृदु के पास यह सोचने के लिए, कि वे किसकी चप्पलें थी, अधिक समय न था, क्योंकि रवि उसे खींच कर आँगन में एक कड़वी बेरी की बड़ी झाड़ी के पीछे ले गया। वहाँ एक फटी फुटबॉल, जिसमें बोरी के ऊपर बालू भरी थी, में नारियल के खोपरे में से दूध पीता हुआ एक बहुत छोटा बिल्ली का बच्चा बैठा था।

''हमें यह आज सवेरे फाटक के बाहर मिला था। बेचारा म्याऊँ-म्याऊँ कर रहा था,'' मीना बोली। ''यह अभी गोपनीय है। अम्मा कह रही थीं कि अगर पाती को पलता चला कि हमारे पास एक बिल्ला है, वह हमारे पद्दू मामा के घर चली जाएगी।''

''लोग हमें सदा जीवों के साथ दया करने को कहते हैं और जब हम ऐसा करते हैं, तो वे चीखते हैं,'' ओह, उस गंदे प्राणी को यहाँ मत लाओ! ''रवि बोला।'' तुम्हें पता है रसोई से केवल थोड़ा सा दूध लाना कितना कठिन है? पाती ने मुझे अभी मेरे हाथ में दूध का गिलास लिए देखा। मैंने उनसे कहा कि मैं बहुत भूखा हूँ, मैं इसे पीना चाहता हूँ, मगर जिस प्रकार उन्होंने मुझे देखा! मुझे उनका ध्यान भटकाने के लिए उसमें से अधिकांश पीना पड़ा। फिर उन्हें गिलास वापस चाहिए था। पाती, पाती, मैं इसे स्वयं धोऊँगा, मैं आपको क्यों परेशानी में डालूँ, मैंने उनसे कहा। मुझे दूध को इस नारियल के खोपरे में डालने के लिए भागना पड़ा और उनको

वास्तव में शक होने से पहले भाग कर गिलास को धोना और रखना पड़ा। अब हमें महेंद्रन को खिलाने के लिए कोई और रास्ता सोचना पड़ेगा।''

''महेंद्रन? इस छोटे बिल्ली के बच्चे का नाम महेंद्रन है? ''मृदु प्रभावित हुई! यह केवल एक प्यारा सा बिल्ली के बच्चे का नाम नहीं बल्कि एक वास्तविक नाम था।

''वास्तव में इसका पूरा नाम महेंद्रवर्मन पल्लव पूनई है। अगर आपको छोटा पसंद हो तो एम०पी० पूनई। यह बढ़िया प्रजाति का बिल्ला है। केवल उसके रोंए को देखो। शेर के अयाल के समान! और तुम्हें पता कि प्राचीन पल्लव राजाओं का राज्य चिह्न क्या था, है कि नहीं?'' उसने मृदु को आशा से देखा।

मृदु खिलखिलाईं।

''सोच रही हो मैं मजाक कर रहा हूँ? ठीक है, थोड़ी प्रतीक्षा करो। मैं किसी दिन तुम्हें दिखाऊँगा। यह स्पष्ट है कि तुम्हें इतिहास के बारे में कुछ भी नहीं पता। क्या तुम महाबलीपुरम नहीं गई हो?'' वह रहस्यमयी तरीके से बोला। ''ठीक है, जब हमारी कक्षा महाबलीपुरम गई थी, मैंने इसके दादा के दादा के दादा के दादा .....आदि, आदि की मूर्ति देखी थी.... तथ्य है कि महेंद्रन उसी प्राचीन बिल्ले का वंशज है। वैज्ञानिक रूप से, शेर का नजदीकी सम्बन्धी। पल्लव शेर, पल्लव राजवंश का राज्य चिह्न!'' रवि हाथ में पकड़ी टहनी को ऊपर-नीचे हिलाते, चमकती आँखें, कड़वी बेरी की झाड़ी के चारों ओर घूमते हुए बोलता गया। ''यह बिल्ला महाबलीपुरम के ऋषि-बिल्ले का ही वंशज है! और मैं अगर आप को फिर से याद दिलाऊँ तो, प्राचीन मिस्र में बिल्लियों को पूजा जाता था!''

वह अपनी स्वयं की आवाज को कितना प्रेम कर रहा था! मीना और मृदु ने एक-दूसरे को देखा।

''उससे इस का क्या वास्ता?'' मृदु ने पूछा।

''हह, मैं तुम्हें बता रहा हूँ कि यह बिल्ला मिस्र के बिल्ली-देवता... नहीं, देवी! बासेट का वंशज है! हाँ! यही है!''

''तो?''

''ठीक है, उस बिल्ली-देवी का एक वंशज पल्लव जहाजों में से एक पर छुपा हुआ यात्री था, और उसका वंशज महाबलीपुरम का ऋषि-बिल्ला, जिसका वंशज—रवि अपनी टहनी महेंद्रन की ओर लहराते हुए बोला ''ये है एम०पी० पूनई....हू ईक!'' स्वयं से बहुत प्रसन्न वह चीखा।

घबराते हुए, महेंद्रन ने ऊपर देखा। वह अभी-अभी नारियल के खोपरे के सिरे पर पंजे पैने कर रहा था। मगर रवि की भयानक हू ईक से बुरी खिड़की से आई एक ''क्रीच...!'' कितनी अजीब ध्वनि थी! अगर मृदु चौंकी थी, तो एम०पी० पूनई बुरी तरह से घबरा गया था। खड़े बाल लिए, वह कूदा और बाँस की ट्रे में सूखने के लिए रखी लाल मिर्चों की ओर भागा। उसके नीचे छुपने के प्रयास में उसने कुछ मिर्चें अपने ऊपर लुढ़का लीं। ''म्...या...ऊँ!'' वह बहुत दुखी होकर चिल्लाया।

'क्रीच' की ध्वनि आती रही, ''वह गंदा शेर क्या है?'' मृदु बोली।

''वह लल्ली वॉयलिन बजाना सीख रही है,'' रवि घुरघुराया।

''वह कभी कुछ भी नहीं सीखेगी। संगीत-गुरु एक समान गति से चलती रेलगाड़ी की तरह बजाए जा रहे हैं, जबकि लल्ली हर समय पटरी से उतरी रहती है! पूरी तरह से गलत रास्ते पर है!''

II

मृदु झुक कर खिड़की तक पहुँची। लल्ली अजीब से वॉयलिन और रोदे को पकड़े हुए, उसकी कोहनियाँ बाहर की ओर निकली हुईं और आँखें एकाग्रता से पथराई हुईं, थोड़ी दूर बैठी हुई थी। उसके सामने, उसकी अधिकांश कमर खिड़की के सामने, संगीत-गुरु की हड्डीदार आकृति थी। उसका अधिकांश सिर गंजा था और कुछ तेल लगे काले बाल कानों के ऊपर पड़े हुए और पुराने फैशन की एक चोटी थी। उसकी मोटी गर्दन पर एक सोने की चेन चमचमा रही थी और वॉयलिन के तने पर उपर-नीचे होते उसके हाथ पर हीरे की अँगूठी चमक रही थी। उसके सुनहरी सिरे की धोती के नीचे से एक बड़ा पैर निकला हुआ था और एक पतले अँगूठे से फर्श पर समय की ताल पीट रहा था।

उसने कुछ सुर बजाए। लल्ली उसके पीछे अपने वॉयलिन, जो उसके हाथों में बहुत असहाय व दुखी लग रहा था, पर लुढ़क रही थी। कितना अन्तर था! संगीत-गुरु के सुर ऊपर की ओर तैरते हुए संगीत की अदृश्य पटरी पर पूरी तरह व्यवस्थित होते प्रतीत हो रहे थे। जैसा कि रवि ने कहा, यह एक रेलगाड़ी के पहियों के समान थे जो पटरियों पर व्यवस्थित होकर सरपट भागे जा रहे थे। मृदु वॉयलिन के तने पर सरलता से गति करते, सुंदर संगीत बजाते, उस बड़े अँगूठी पहने हाथ को देख रही थी।

स्कवॉक! लल्ली फिर पटरी से उतर रही थी।

''अम्मा!'' गेंद से एक कातर ध्वनि आई। ''अम्मा-ओ!''

''रवि, उस भिखारी को भेज दो!'' उसकी माँ पिछले बरामदे, जहाँ वह तापी से बातें कर रही थी। ''वह बीते सप्ताह के प्रत्येक दिन यहाँ आ रहा है और अब समय आ गया है कि वह भीख माँगने के लिए दूसरा घर ढूँढ़े!'' पाती ने तापी को समझाया।

मृदु और मीना रवि के पीछे बाहर गये। भिखारी पहले से ही बगीचे में आकर आराम से था। उसने अपना ऊपर का वस्त्र नीम के वृक्ष के नीचे बिछा लिया और उसके तने पर कमर टिकाए, भिक्षा के आने की प्रतीक्षा में, छोटी नींद लेने की तैयारी में था। ''चले जाओ,'' रवि ने कड़क स्वर में कहा। ''मेरी पाती कह रही हैं कि समय आ गया है कि तुम भीख माँगने को दूसरा घर ढूँढ़ो।''

भिखारी ने अपनी आँखें बड़ी खोलीं और बच्चों को एक-एक कर घूरा। ''इस घर की महिलाएँ,'' अन्त में भावना से दबी आवाज में वह बोला, ''बहुत दयालु आत्माएँ हैं। मैं उनकी उदारता से ही एक पूरे सप्ताह जीवित रह पाया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि वो मुझे भगा देंगी। उसने अपनी आवाज ऊँची की। ''अम्मा! अम्मा-ओ!'' उसकी कातर आवाज में उदासी थी मगर वह कमजोर बिल्कुल न थी। वह उसके मुरझाए पेट में कहीं से गहरी, तेज गड़गड़ाहट से आरम्भ होती हुई, पान खाने से कत्थई हो गये कुछ दाँतों वाले मुँह से गरजती निकली।

''रवि, उसे कहो कि रसोई में कुछ नहीं बचा है!'' रूक्कू मन्नी बोली। ''और उसे फिर से नहीं आना है—उसे कह दो!'' वह थक गई लग रही थीं।

रवि को यह सब भिखारी को यह दोहराना नहीं था। जो उसकी माँ ने कहा था, नीम के वृक्ष के नीचे, उन सब के लिए सुनना आसान था। भिखारी उठ बैठा और आह भरी!

''मैं चला जाऊँगा! मैं चला जाऊँगा!'' उसने थके स्वर में कहा। ''केवल मुझे इस वृक्ष के नीचे आराम करने दो। सूर्य इतना गर्म है, सड़क पर तारकोल पिघल गया है। मेरे पैरों में पहले से फफोले पड़ गये हैं।

अपने नंगे पैर के तलवे पर बड़े, गुलाबी, छिले फफोले दिखाने को उसने अपने पैर को आगे बढ़ाया।

''मुझे लगता है कि चप्पलें खरीदने को उसके पास पैसे नहीं हैं,'' मृदु मीना-रवि से फुसफुसाई, ''क्या तुम्हारे पास घर में कहीं कोई पुरानी जोड़ी है?''

''मुझे नहीं पता,'' रवि बोला। ''उसके पैरों में आने के लिए मेरी तो बहुत छोटी हैं अन्यथा मैं उन्हें उसे दे देता।'' और उसके पैर मृदु और मीना के पैरों से भी बड़े थे।

भिखारी अपने ऊपर के वस्त्र को झाड़ और अपनी धोती को कस दिया था। उसने अपनी आँखें उठाकर दोपहर की धूप में चमकती सड़क को डरते हुए देखा।

''उसे अपने पैरों पर कुछ चाहिए!'' आँखों में आँसू लिए मीना बोली।'' यह न्यायसंगत नहीं है!''

''श्श्श!'' रवि बोला। ''मैं इसके बारे में सोच रहा हूँ। यह न्यायसंगत नहीं है, 'यह न्यायसंगत नहीं है' बड़बड़ाना सहायता नहीं करेगा। उस सड़क पर उसके पैर दो मिनट में ही तल जाएँगे। उसे एक चप्पलों की जोड़ी चाहिए। तो हम उन्हें कहाँ से लाए? आओ घर में ढूँढें।'' उसने मृदु और मीना को घर में धकेला।

जैसे ही उसने बरामदे में कदम रखा, मृदु की नजर उन अजीब सी चप्पलों पर पड़ी जो उसने आते समय देखी थीं। ''रवि!'' वह उस पर फुसफुसाई। ''वो किस की हैं?''

रवि ने घूम कर दिखने में मैली-कुचैली मगर मजबूत पुरानी चप्पलों पर नजर डाली। ''यह बिल्कुल सही माप की हैं,'' उन्हें उठाते हुए वह बोला। मृदु और घबराई हुईं उसके पीछे-पीछे वापस बगीचे में गईं।

''लो,'' चप्पलों को वृद्ध के सामने डालते हुए रवि ने भिखारी से कहा, ''इन्हें पहनों और वापस मत आना!'' भिखारी ने चप्पलों को घूर कर देखा, जल्दी से अपनी तौलिया अपने कंधे पर डाली, अपने पैर उनमें घुसाए और बच्चों को आशीर्वाद बुदबुदाते हुए चला गया। एक मिनट में ही वह सड़क के मोड़ से ओझल हो गया।

संगीत-गुरु घर के बाहर आया और वृक्ष के नीचे शान्ति से बैठ कर कंचे खेलते तीनों बच्चों को गुण-अग्राही नजरों से देखा। फिर उसने अपनी चप्पलों को बरामदे में, जहाँ उसने उन्हें रखा था, ढूँढ़ा।

''लल्ली!'' कुछ क्षण बाद उसने पुकारा। वह तेजी से उसके पास पहुँची। ''प्रिय, क्या तुमने मेरी चप्पलें देखी हैं? मुझे ध्यान है मैंने उन्हें यहाँ रखा था!''

रवि, मृदु और मीना शान्ति से लल्ली और संगीत-गुरु को बरामदे के हर कोने में ढूँढ़ते हुए देख रहे थे। वह रेलिंग के ऊपर से और गमलों के बीच में झुक कर ढूँढ़ते हुए तेजी से

इधर-उधर जा रहा था। ''वे एकदम नई थीं। मैं उन्हें खरीदने माउण्ट रोड तक गया था।'' वह कहता गया। ''क्या तुम्हें पता है उनकी कीमत पूरे एक महीने का शुल्क था?''

लल्ली तुरन्त अपनी माँ को बताने भीतर गई, परेशानी दिखती रूक्कू मन्नी प्रकट हुईं, और उनके पीछे-पीछे पाती थीं।

''वे कहाँ हो सकती हैं? यह सोचना वास्तव में बहुत बुरा है कि किसी ने उन्हें चुरा लिया है। दरवाजे पर इतने फेरीवाले आते हैं,'' चिन्तित पाती बोलीं।

रूक्कू मन्नी ने रवि, मृदु और मीना को वृक्ष के नीचे बैठे देखा। ''क्या तुम बच्चों.....'' वे आरम्भ हुई और फिर बच्चों को अजीब सा शान्त देख, वो धीर से बोलीं, ''ने किसी को बरामदे के पास छिप कर आते देखा?'' उनकी भौं के बीच में एक पैनी V आकृति बन गई थी। उनके नर्म, अच्छे मुँह के स्थान पर एक सीधी, कसी हुई लकीर प्रकट हो गई थी। ''रूक्कू मन्नी क्रोधित थीं!'' मृदु ने कँपकँपाते हुए सोचा। वह इतनी परेशान नहीं होंगी अगर उन्हें भिखारी के पैरों पर फफोलों के बारे में पता हो, उसने स्वयं को कहने का प्रयास किया।

गहरी साँस लेकर वह बोली, ''रूक्कू मन्नी, यहाँ एक भिखारी था। बेचारे के कितने फफोले थे!''

''तो?'' रवि की ओर मुड़ते रूक्कू मन्नी गम्भीरता से बोली।'' तुमने संगीत-गुरु की चप्पलें यहाँ आने वाले भिखारी को दे दीं?''

''इन दिनों बच्चे...!'' पाती कराहीं।

''अम्मा, क्या आपने मुझे कर्ण के बारे में नहीं बताया, जो इतना दयालु और उदार था कि उसने, जो कुछ उसके पास था, यहाँ तक कि कुण्डल भी, दान कर दिये थे।''

''मूर्ख!'' रूक्कू मन्नी झटके से बोलीं। ''कर्ण ने दूसरों की वस्तुएँ नहीं दी, उसने केवल अपनी स्वयं की वस्तुएँ दी थीं।''

''किन्तु मेरी चप्पलें भिखारी के पैरों में न आतीं...'' रवि ढिठाई से बोला, ''और अम्मा, अगर वे आ जातीं तो आप बुरा न मानतीं?''

''रवि!'' रूक्कू मन्नी अब बहुत क्रोधित हो बोली।'' इसी क्षण भीतर जाओ।''

वह जल्दी से भीतर गईं और गोपू मामा की बहुत कम पहनी, नई चप्पलें ले कर आईं। ''ये आपको आ जाएँगी, सर। कृपया इन्हें पहनें। मैं क्षमा चाहती हूँ। मेरा पुत्र शैतानी कर रहा है। ''संगीत-गुरु की आँखें चमक उठीं। उसने, अधिक प्रसन्न न दिखने का प्रयास करते हुए, उन्हें पहना। ''ठीक है, मुझे लगता है इनसे काम चल जाएगा .... ये बच्चे बड़ों का सम्मान नहीं करते, मगर क्या करें? हनुमान का अवतार...केवल राम ही ऐसे शैतान का उद्धार कर सकते हैं!'' रूक्कू मन्नी की आँखें चमक गईं। उन्हें रवि को एक बंदर, यहाँ तक कि पवित्र बंदर, शायद पसंद नहीं आया था। वह आगे के दरवाजे के पास सीधी और अकड़ कर खड़ी थीं। यह स्पष्ट था कि वह चाहती थीं कि वह जल्दी जाए।

जब वह अपनी नई चप्पलों से खट-खट करता चला गया, वे बोलीं, ''मृदु, अंदर आकर कुछ भोजन लो। सत्य में, तुम बच्चों ऐसे कार्यों को कैसे सोचते हो? ईश्वर को धन्यवाद कि तुम्हारे गोपू मामा अपनी चप्पल पहन कर कार्यालय नहीं जाते...'' जब वे मृदु और मीना के साथ रसोई की ओर जा रही थीं, वे अचानक जोर से हँसने लगी।'' मगर घर आते ही वह अपने

जूते-मोजे उतार कर तुरन्त चप्पल पहनने की इतनी जल्दी में होता है। इस शाम तुम्हारे मामा क्या कहेंगे जब मैं उन्हें बताऊँगी कि मैंने उनकी चप्पलें संगीत-गुरु को दे दी हैं?''

Exercise

A. 1. (c) 2. (b) 3. (a)

B. 1. creature 2. descendants, stow away 3. hot, tar

C. 1. The music teacher had a lean, bony personality. He was sitting with his back against the window of the room where he was teaching violin to Lalli. He was bald and had some oiled hair around his ears. He was wearing an old-fashioned tuft and had a gold chain around his neck. He also wore a diamond ring in his hand. He was beating the floor with his thin, malnourished toe.

2. When the beggar showed his feet to the children, they could see blisters on them. This made Mridu conclude that the beggar had no money to buy chappals.

3. The music teacher tried not to look happy on getting Gopu Mama's chappals because he wanted to pretend that his chappals were valuable to him. Although in reality, he liked the new chappals.

4. The beggar was in such a hurry to leave because he did not want to lose the gift of chappals. He needed the chappals badly as his feet were full of blisters.

5. On her way to the kitchen with Mridu and Meena, Rukku Manni begin to laugh on the thought about what she would say to Gopu Mama about the chappals when he would ask about them. She wondered what his reaction would be when he gets to know that those chappals were given to the music master.

D. (i) Ravi compares Lalli's playing the violin to **derailing of a train**.

(ii) Trying to hide beneath the tray of chillies, Mahedran tipped a few chillies over himself. "Mi-a-aw!", he howled miserably.

(iii) The teacher played a few notes on his violin, and Lalli **stumbled behind him on her violin, which looked quite helpless and unhappy in her hands**.

(iv) The beggar said that the kind ladies of the household **had helped him survive the last week**.

(v) After the lesson was over, the music teacher asked Lalli if **she had seen his chappals**.

E. Do it yourself.

F. Do it yourself.

G. (i) If you tease the dog, it'll bite you.

(ii) If you work hard, you'll pass the examination in the first division.

(iii) If you tire yourself up now, you won't be able to work in the evening.

(iv) If you are polite to people, they'll also be polite to you.
(v) If you study regularly, you'll do well in the examination.

H. Today is Sunday. I'm wondering whether I should stay at home or go out. If I **go** out, I will **miss** the lovely Sunday lunch at home. If I **stay** for lunch, I will **miss** the Sunday film showing at Archana Theatre. I think I'll go out and see the film, only to avoid getting too fat.

I. (i) Don't go to the theatre if you don't want to.
(ii) He'll post your letter if you want him to.
(iii) Please use my pen if you want to.
(iv) He'll lend you his umbrella if you want him to.
(v) My neighbour, Ramesh, will take you to the doctor if you want him to.
(vi) Don't eat it if you don't want to.

❑

8. The Rebel

आइए आरंभ करें!

क्या आप किसी को जानते हैं जो सदा आपसे या आपके मित्रों से असहमत रहता है, अथवा जो सब करने की सोचते हैं, उसका उल्टा करता है? ऐसे व्यक्ति का विवरण देने के लिए एक शब्द सोचिए। कुछ कार्य जो ऐसा व्यक्ति आमतौर पर करता है, उन पर अपने साथी के साथ चर्चा करिए। अब कविता को पढ़िए।

जब सब के छोटे बाल होते हैं,
विद्रोही अपने बालों को लंबे होने देता है।
जब सब के बाल लंबे होते हैं,
विद्रोही अपने बाल छोटे कटवाता है।
जब सब पाठ के समय बोलते हैं,
विद्रोही एक शब्द नहीं बोलता है।
जब पाठ के समय कोई नहीं बोलता है,
विद्रोही विघ्न पैदा करता है।
जब सब यूनीफॉर्म पहनते हैं,
विद्रोही आकर्षक वस्त्र पहनता है।
जब सब आकर्षक वस्त्र पहनते हैं,
विद्रोही गम्भीर वस्त्र धारण करता है।
कुत्ते पालने वालों की संगत में,
विद्रोही बिल्लियों को पसंद करने की बात करता है।
बिल्ली पालने वालों की संगत में,

विद्रोही कुत्तों की तारीफें करता है।
जब हर कोई सूरज की प्रशंसा करता है,
विद्रोही वर्षा की आवश्यकता पर टिप्पणी करता है।
जब हर कोई वर्षा का स्वागत कर रहा होता है,
विद्रोही सूर्य की अनुपस्थिति पर खेद प्रकट करता है।
जब हर कोई बैठक में जाता है,
विद्रोही घर पर रहकर एक पुस्तक पढ़ता है।
जब हर कोई घर पर रहकर एक पुस्तक पढ़ता है,
विद्रोही बैठक में जाता है।
जब हर कोई 'जी हाँ' कहता है,
विद्रोही 'नहीं धन्यवाद' कहता है।
जब हर कोई 'नहीं धन्यवाद' कहता है,
विद्रोही 'जी हाँ' कहता है।
यह बहुत अच्छा है कि हमारे पास विद्रोही होते हैं,
आप को विद्रोही अच्छा नहीं लगेगी।

Exercise

A. 1. (b) 2. (b) 3. (a)

B. 1. long hair 2. dresses 3. home

C. 1. If someone doesn't wear a uniform to school, I think the teacher will scold them.

Or I think the teacher will scold the student if they do not wear uniforms to school.

2. When everyone wants a clear sky, the rebel wants the sun to show up.
3. If the rebel has a dog for a pet, everyone else is likely to have cats as pets.
4. It is good to have rebels because they make the society livelier, and they teach us to accept and respect the differences in the thought processes of people around us.
5. It is not good to be a rebel oneself because a rebel is always criticized by society and people take time to accept rebels.

D. (i) quietness — disturbance
(ii) long — short
(iii) lost — found
(iv) sober — fantastic
(v) grow — cut

E. Do it yourself.

❑

9. The Story of Cricket

आइए आरंभ करें!

खेल स्वस्थ जीवन का अभिन्न भाग है। यह एक जिसके हम स्वयं का मनोरंजन करते हैं, एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं और स्वस्थ रहते हैं। हॉकी, फुटबॉल और टेनिस जैसे विभिन्न खेलों में से, आज क्रिकेट सर्वाधिक आकर्षक राष्ट्रीय मनोरंजन प्रतीत होता है। 'क्रिकेट' नामक खेल के बारे में हम वास्तव में कितना जानते हैं?

I

क्रिकेट का उदय इंग्लैण्ड में 500 वर्ष पूर्व खेले जाने वाले अनेक डंडा-और-गेंद खेलों से हुआ। 'बैट' शब्द एक पुराना अंग्रेजी शब्द है जिसका सामान्य अर्थ डंडा अथवा लाठी है। सत्रहवीं सदी तक क्रिकेट इतना विकसित हो चुका था कि इसकी एक स्पष्ट खेल की पहचान बन गई थी। अठारहवीं सदी के मध्य तक बैट की आकृति लगभग हॉकी स्टिक जैसी ही थी, तली में से बाहर की ओर घुमाव, इसका एक सामान्य कारण था: गेंद हाथ को कंधे से नीचे करके फेंकी जाती थी और बैट के अन्त पर घुमाव बैट्समैन को सम्पर्क करने का सबसे अच्छा मौका देती थी।

क्रिकेट की खासियतों में से एक है एक टैस्ट मैच पाँच दिनों तक खेला जा सकता है और तब भी अनिर्णीत समाप्त हो सकता है। कोई भी और आधुनिक टीम खेल समाप्त होने में इसका आधा समय भी नहीं लेता है। फुटबाल का एक मैच साधारणतय: डेढ़ घंटे में समाप्त हो जाता है। बेसबॉल में भी नौ इनिंग, आधुनिक क्रिकेट के दोहे प्रारूप, लिमिटेड ओवर्स मैच, खेलने के लिए गये समय के आधे से भी कम में समाप्त हो जाती हैं।

क्रिकेट की एक और दिलचस्प विशेषता है कि पिच की लम्बाई-22-गज तो निर्दिष्ट होती है मगर मैदान का आकार या आकृति नहीं। अधिकांश दूसरे टीम खेल जैसे हॉकी और फुटबॉल में खेलने के क्षेत्र का आयाम दिये गये होते हैं। क्रिकेट में नहीं दिये गये होते। मैदान एडिलेड ओवल जैसे अंडाकार हो सकते अथवा चेन्नई में चेपॉक जैसे लगभग गोल हो सकते हैं। मैलबोर्न क्रिकेट मैदान में एक छक्के को दिल्ली के फिरोजशाह कोटला से अधिक मैदान पार करना पड़ता है।

इन दोनों विषमताओं के पीछे एक ऐतिहासिक कारण है। क्रिकेट संहिताबद्ध होने वाला सबसे प्रारम्भिक आधुनिक खेल है। पहले लिखित 'क्रिकेट के नियम' 1744 में लिखे गये। इन में कहा गया, ''प्रमुख उपस्थित सज्जनों में से दो अंपायरों का चयन करेंगे जो समस्त विवादों का पूर्णत: निर्णय करेंगे। स्टंप 22 इंच ऊँचे और उनके पार बेल 6 इंच होनी चाहिए।

गेंद पाँच और छह आउंस के बीच तथा स्टंप के दो सेट 22 गज दूर होने चाहिए। विश्व का पहला क्रिकेट क्लब 1760 के दशक में हैंबलडन में बना और मैरिलबोन क्रिकेट क्लब (एम०सी०सी०) की स्थापना 1787 में हुई। 1760 और 1770 के दशकों में गेंद को भूमि पर लुढ़काने के स्थान पर हवा में फेंकना आम हो गया। इस बदलाव से गेंदबाजों को लम्बाई,

वायु में धोखा देना तथा बढ़ी हुई गति के विकल्प मिले। इससे स्पिन और स्विंग की भी सम्भावनाएँ खुलीं। जवाब में, बल्लेबाजों को टाइमिंग और शॉट के चयन में महारत हासिल करनी थी। एक तत्काल परिणाम घुमावदार बैट के स्थान पर सीधे बैट का उपयोग। गेंद का भार 5½ से 5¾ आउंस के बीच तथा बैट की चौड़ाई 4 इंच तक सीमित कर दिये गये। 1774 में पगबाधा नियम प्रकाशित किया गया। इसी समय के आस-पास, तीसरा स्टंप भी आम हो गया। 1780 तक एक मुख्य मैच की अवधि तीन दिन हो गई थी और इसी वर्ष छह-सीम क्रिकेट की गेंद भी बनाई गई।

अगर आप खेल के उपकरण को देखें, तो आप देखेंगे कि क्रिकेट जैसे बदलते समय के साथ बदला है और साथ ही साथ, ग्रामीण इंग्लैण्ड में अपनी उत्पत्ति से मौलिक रूप से जुड़ा रहा। क्रिकेट के सबसे महत्त्वपूर्ण उपकरण प्राकृतिक, पूर्व-औद्योगिक सामग्रियों से बने होते हैं। बैट चमड़े, सुतली और कॉर्क से बना होता है। आज भी बैट और गेंद हाथ से बने होते हैं और औद्योगिक रूप से निर्मित नहीं होते। समय के साथ, बैट की सामग्री थोड़ी बदल गई है। एक समय, इसे लकड़ी के एक ही टुकड़े से काटा जाता था। अब इसके दो भाग होते हैं। ब्लेड विलो वृक्ष की लकड़ी से बना होता है तथा हैंडिल (हत्था) बेंत, जो यूरोपियन उपनिवेशवादियों और व्यापारिक कम्पनियों के एशिया में स्थापित कर लेने के पश्चात् उपलब्ध हो गया था, से बना होता है। गोल्फ और टेनिस से इतर, क्रिकेट ने अपने उपकरणों को औद्योगिक या मानव-निर्मित सामग्री से दोबारा बनाने से इंकार कर दिया है: प्लास्टिक, फाइबरग्लास और धातु को दृढ़ता से अस्वीकार कर दिया गया है।

किन्तु सुरक्षात्मक उपकरण के मामले में क्रिकेट तकनीकी बदलाव से प्रभावित हुआ है। वल्केनाइज्ड रबर के आविष्कार से 1848 में पैड और उसके तुरन्त बाद सुरक्षात्मक दस्तानों की शुरुआत हुई और आधुनिक खेल धातु तथा सिंथेटिक हल्की सामग्री से बने हेल्मेट के बिना अकल्पनीय होगा।

II

भारतीय क्रिकेट की उत्पत्ति बॉम्बे में मिलती है तथा पारसियों का छोटा समुदाय इस खेल को खेलने वाला पहला भारतीय समुदाय था। व्यापार में अपनी रुचि के कारण ब्रिटिश के करीबी सम्पर्क में आये और पश्चिमीकरण करने वाला प्रथम भारतीय समुदाय, पारसियों ने बॉम्बे में 1848 में प्रथम भारतीय क्रिकेट क्लब, ओरिएंटल क्रिकेट क्लब की स्थापना की। पारसी क्लबों को टाटा और वाडिया जैसे व्यवसायियों द्वारा वित्तपोषित और प्रायोजित किया गया। भारत में श्वेत क्रिकेट अभिजात वर्ग ने उत्साही पारसियों की कोई सहायता नहीं की। वास्तव में, एक सार्वजनिक पार्क के उपयोग के कारण एक गोरों के क्लब, बॉम्बे जिमखाना और पारसी क्रिकेटरों के बीच झगड़ा हुआ। पारसियों ने शिकायत करी कि बॉम्बे जिमखाना के पोलो टट्टुओं ने सतह को खोदकर पार्क को क्रिकेट के लिए अयोग्य कर दिया है। जब यह स्पष्ट हो गया कि औपनिवेशिक अधिकारी अपने गोरे हमवतनों के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त थे, पारसियों ने क्रिकेट खेलने के लिए अपना स्वयं का जिमखाना बनाया। पारसी और बॉम्बे जिमखाना के बीच प्रतिद्वन्द्विता का भारतीय अग्रदूतों के लिए एक सुखद अन्त हुआ। एक पारसी टीम ने 1889 में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, एक संस्था जो भाग्यशाली थी कि जिसके आरम्भिक

नेताओं में महान पारसी राजनेता और बुद्धिजीवी दादाभाई नौरोजी थे, की 1885 में स्थापना के चार वर्ष के बाद ही, बॉम्बे जिमखाना को क्रिकेट में हरा दिया।

आधुनिक क्रिकेट में राष्ट्रीय टीमों के बीच खेले जाने वाले टेस्ट और एकदिवसीय मैचों का दबदबा है। वह खिलाड़ी जो प्रसिद्ध हो जाते और जो क्रिकेट की जनता की यादों में जीवित रहते हैं, वे होते हैं जो अपने देश के लिए खेले हैं, वे खिलाड़ी जिन्हें भारतीय प्रशंसक आज भी याद करते हैं जो भाग्यशाली थे कि देश के लिए खेले। सी०के० नायडू, अपने समय के उत्कृष्ट भारतीय बल्लेबाज, लोकप्रिय कल्पना में रहते हैं जबकि कुछ महान समकालीन पलवंकर विट्ठल और पलवंकर बालू को भुला दिया गया है। यद्यपि जब नायडू भारत के, 1932 से इंग्लैण्ड के विरुद्ध खेले गये पहले टैस्ट मैचों में खेले थे, वे अपने क्रिकेटिंग चरम को पार कर गये थे, भारतीय क्रिकेट इतिहास में उनका स्थान आश्वस्त है क्योंकि वे देश के पहले क्रिकेट कप्तान थे।

भारत ने टेस्ट क्रिकेट की दुनिया में, एक स्वतन्त्र राष्ट्र बनने से डेढ़ दशक पूर्व 1932 में प्रवेश किया। ऐसा सम्भव हुआ क्योंकि टेस्ट क्रिकेट, 1877 में अपनी उत्पत्ति से, की प्रतियोगिता का आयोजन, सम्प्रभु देशों के बीच नहीं, बल्कि ब्रिटिश साम्राज्य के विभिन्न भागों के बीच किया जाता था। प्रथम टेस्ट इंग्लैण्ड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया जब ऑस्ट्रेलिया तब भी गोरे निवासियों का उपनिवेश था। उसी प्रकार, कैरेबियन के छोटे देश जो वेस्टइंडीज की टीम बनाते हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के बहुत बाद तक ब्रिटिश उपनिवेश ही थे।

III

टेलिविजन कवरेज ने क्रिकेट को बदल दिया। इसने क्रिकेट को छोटे कस्बों और गाँवों में क्रिकेट को दिखाकर खेल के दर्शकों में विस्तार किया। इसने खेल के सामाजिक आधार में भी बढ़ोत्तरी की। बच्चे, जिन्हें पहले कभी भी अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट देखने का मौका नहीं मिला था क्योंकि वे बड़े नगरों के बाहर रहते थे, अब अपने नायकों को देख और उनकी नकल करके सीख सकते थे।

सैटेलाइट टेलिविजन की तकनीक और बहुराष्ट्रीय टेलिविजन कम्पनियों की विश्वव्यापी पहुँच ने क्रिकेट के लिए एक वैश्विक बाजार तैयार किया। सिडनी में खेले गये मैच का सीधा प्रसारण अब सूरत में देखा जा सकता है। चूँकि क्रिकेट खेलने वाले देशों में से भारत में दर्शकों की संख्या सबसे अधिक है और क्रिकेट की दुनिया में सबसे बड़ा बाजार है, क्रिकेट के गुरुत्वाकर्षण का केन्द्र दक्षिण एशिया स्थानान्तरित हो गया। इस बदलाव का प्रतीक था आई०सी०सी० मुख्यालय का लंदन से कर-मुक्त दुबई में स्थानान्तरण।

आज से एक सौ पचास वर्ष पूर्व प्रथम भारतीय क्रिकेटरों, पारसियों को खेलने के लिए खुला स्थान ढूँढ़ने में संघर्ष करना पड़ा था। आज वैश्विक बाजार ने भारतीय खिलाड़ियों को सबसे अधिक वेतन पाने वाले, खेल के सर्वाधिक प्रसिद्ध क्रिकेटर, पुरुष जिनके लिए विश्व एक मंच है। यह रूपान्तरण अनेक छोटे बदलावों से बना था। भुगतने वाले पेशेवरों द्वारा शौकिया सज्जनों का प्रतिस्थापन, एक दिवसीय खेल की जीत क्योंकि यह लोकप्रियता में टेस्ट क्रिकेट पर भारी पड़ना और वैश्विक वाणिज्य और प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय परिवर्तन।

Exercise

A. 1. (c) 2. (b) 3. (b)

B. 1. stick, club 2. 1744 3. five, six

C. 1. The Parsis were the first Indian community to take to cricket because of their interest in trade with the British.

2. Yes, I think cricket owes its present popularity to television. The information about how it is played and the interest of kids and youth in cricket is largely because of television and media. Young children from various parts of the country see, appreciate and dream of becoming a cricketer, all because of television and different media.

3. Test cricket is a unique game in many ways. It can be played for 5 days and still end with a draw! Other games do not take this much time. A football match usually gets over in an hour-and-a-half.

4. Cricket has become safer with technology. The protective equipment has become better. The cricket helmet are now made up of metal and synthetic materials that are easier to carry. Pads and gloves are made of vulcanized rubber.

5. Cricket has changed with changing times. With the advent of technology, it has become safer. With the media and television around, it gained increasing popularity. Also, new formats such as T20 have been introduced.

   Yet is remained unchanged in some ways. For instance, the rules and regulations continue to be the same. The way it is played is still the same.

D. Last weekend, I went on a trip to watch a cricket match in a village. It was a two-hour journey by bus. I was quite excited about the match. It was the first time I was going to be in a live audience. The bus was an old and crowded one, but the passengers were friendly.

It was a visit to a village fair where the cricket match was to be played. The match was to be played between two village teams. The equipment was makeshift stumps, a rubber ball, bat, etc. The pitch was quite rough. It was a great match. Both the teams played so well. We all enjoyed it thoroughly. We returned by night. The match was truly enjoyable, but the trip was tiring.

E. (i) effort (ii) fact (iii) confess (iv) laughing
(v) enough (vi) half (viii) scruff (viii) rough
(ix) stiffly (x) difference (xi) safety (xii) flush

F.

A	O	V	E	R	D	C	Q	A	M
Z	B	S	M	F	C	X	E	P	A
B	O	U	N	D	A	R	Y	N	I
A	W	O	S	T	U	M	P	E	D
L	L	U	I	P	G	L	J	R	E
L	E	T	X	L	H	K	A	Z	N
X	D	R	A	W	T	Y	P	F	D
W	I	C	K	E	T	S	L	I	P

G. (i) It is obvious that the work has not been done *properly*.
(ii) He made the statement *firmly*.
(iii) The job can be completed within a week easily.
(iv) You did not play *seriously,* or else you would have won the match.
(v) She recited the poem *cheerfully*.

H. (i) Actually, I didn't intend to come to your place. I reached here by *accident*.
(ii) Sunil, there's a letter for you in today's post. There' one for me *as well*.
(iii) Everybody thought I had composed the poem. *As a matter of fact* my younger sister did it.
(iv) The doctor told the patient *see to it* that he took his pills on time.
(v) *We had better* plan our trip before setting out.

❑

10. The Shed

आइए आरंभ करें!

क्या आप जानते हैं एक शैड क्या होता है? उदाहरण के लिए, गाय का शैड, उपकरणों का शैड, लकड़ियों का शैड आदि। यह मुख्य घर थोड़ी दूर स्थित, वस्तुएँ, जीव-जन्तु, उपकरण, वाहन आदि रखने का भण्डारण करने का एक छोटा कमरा होता है। अपने साथी से पूछिए क्या उन्होंने कभी कोई शैड देखा है। उन्हें कक्षा में उसका विवरण देने दें। अब कविता को पढ़िए।

हमारे बगीचे के पिछवाड़े में एक शैड है
उसके दरवाजे पर एक मकड़ी का जाला लटका है,
कब्जे जंग खाए है और हवा में चरमराते हैं।
जब मैं बिस्तर में लेट कर सुनता हूँ,
मैं एक दिन वह दरवाजा खोलूँगा।
बगल में एक पुरानी धूल से अटी खिड़की है
तीन चटके शीशों के साथ,

मुझे अक्सर लगता है कोई मुझे घूर रहा है
हर बार जब मैं गुजरता हूँ,
मैं एक दिन उस खिड़की से झाकूँगा।
मेरा भाई कहता है शैड में एक भूत है
जो फर्श की सड़ी-गली लकड़ी के नीचे छुपता है,
अगर मैंने अंदर कभी कदम भी रखा
वह बाहर कूदेगा और मेरी गर्दन काट देगा,
मैं एक दिन अंदर झाकुँगा।
मैं जानता हूँ वहाँ वास्तव में कोई भूत नहीं है,
मेरा भाई शैड को अपना कमरा बनाने को झूठ बोलता है,
वहाँ कोई भी घूरने या अजीब आवाजें करने वाला कोई नहीं है
और मकड़ा अपना जाला छोड़ गया है
कब से मुझे पता नहीं है
मैं जल्दी ही एक दिन उस शैड में जाऊँगा,
मगर एकदम अभी नहीं...

Exercise

A. 1. (a) 2. (b) 3. (c)

B. 1. door 2. window 3. ghost

C. 1. The speaker in the poem is a young boy.
2. He is afraid as well as curious. He is curious to enter the shed, and at the same time, he feels that someone is staring at him.
3. He is planning to open the door and enter the shed someday soon.
4. I think "But not just yet..." suggests hestiation. It shows that the speaker wants to take some more time to be sure of his thoughts about the shed. He currently fears that someone stares at him and, at the same time, also thinks that his brother's claim that there's a 'ghost' is just a lie. So, he is hesitating to take any further steps for now.

D. Do it yourself.

❑

11. Expert Detective

आइए आरंभ करें।

I

निषाद, एक सात वर्ष का लड़का (जो सैविन भी कहलाता है क्योंकि उसके नाम का मतलब संगीत के पैमाने पर सातवाँ स्वर है) और उसकी दस वर्षीय बहन माया एक मि० नाथ के बारे

में बहुत जिज्ञासु है। फिर एक दिन बच्चों के कंचे मि० नाथ के कमरे में लुढ़क कर चले जाते हैं, और निषाद को उसे देखने का मौका मिल जाता है। क्या वह भागा हुआ अपराधी है? उसके चेहरे पर इतने निशान क्यों हैं? उसका कोई मित्र क्यों नहीं है?

निषाद की माँ, एक चिकित्सक, मि० नाथ, जो बहुत विनम्र है, को एक मरीज के रूप में जानती हैं।

जब हम क्लीनिक की ओर वापस जा रहे थे, सैविन बोला, ''वह राक्षस की तरह तो बिल्कुल नहीं दिखता, माया। मगर क्या तुमने देखा वह कितना पतला है? शायद वह गरीब है और खाने का खर्च नहीं उठा सकता।''

''वह गरीब नहीं हो सकता अगर वह भागा हुआ अपराधी है,'' मैंने उससे कहा। ''शायद उसने उस कमरे में कहीं पर लाखों रुपये छुपा रखे हैं।''

''क्या तुम वास्तव में सोचती हो वह एक अपराधी है, माया? वह देखने में तो लगता नहीं है,'' निषाद अनिश्चित लग रहा था।

''हाँ, वह बिल्कुल है, सैविन,'' मैंने कहा, ''वह भूख से कतई नहीं मर रहा है। मि० मेहता ने हमें बताया कि रमेश नीचे के रेस्त्रा से उसके लिए भोजन लाता है।''

''मगर माया, मि० मेहता ने हमें बताया कि वह कहीं काम नही करता, तो उसके पास भोजन के लिए देने वाला धन कैसे हो सकता है?'' निषाद ने कहा।

''बिल्कुल सही!'' मैंने जोर से कहा, 'उसके पास कहीं पर छुपा हुआ ढेर सारा धन होगा, शायद उसके कमरे में उस बक्से में। वह शायद चाँदी और सोने और जवाहरात से भरा हुआ हो...''

''क्या बेकार बात है,'' निषाद ने टोका।

''मुझे पता है मैं सही हूँ, मूर्ख,'' मैंने उससे कहा। ''वैसे, सैविन, क्या तुमने उसके दाग देखे? मैं नहीं देख पाई, बहुत अँधेरा था, मगर मुझे विश्वास है कि उसे वे पुलिस या किसी और के साथ गोलीबारी में मिले।''

''मम्मी ने हमें बिल्कुल स्पष्ट बताया था कि वे जलने के दाग थे, ''निषाद दृढ़ता से बोला।

''शायद पुलिस ने उसे बाहर निकालने के लिए उसके घर में आग लगा दी हो,'' मैंने सुझाव दिया। निषाद अनिश्चित लग रहा था।

माँ के जन्मदिन के बाद वाले सोमवार को, सैविन उनके गिरगाँव के क्लीनिक गया क्योंकि मैं अपने विद्यालय के मित्र के साथ शाम व्यतीत कर रही थी। जब वे लौटकर आये तो निषाद ने मुझे बताया कि वह मि० नाथ को देखने गया और मुझे बहुत गुस्सा आया कि मैं वहाँ नहीं थी।

निषाद मि० नाथ के बीमार दिखने से परेशान था और उसे विश्वास था कि वह भूखा था। उसने मुझे बताया कि उसने उस शाम मि० नाथ का दरवाजा जोर से खटखटाया और कहा, ''मि० नाथ, जल्दी दरवाजा खोलिए।''

उस व्यक्ति ने दरवाजा खोला और उससे पूछा, ''एक और कंचा खो गया?'' स्पष्ट है उसने मेरे भाई को पहचान लिया था।

''नहीं,'' निषाद ने कहा। उसने उस व्यक्ति का हाथ अपने हाथों में ले उसमें चॉकलेट का एक टुकड़ा घुसा दिया।

''सैविन, क्या तुम्हें उस बक्से में झाँकने का मौका मिला?'' मैंने पूछा।

निषाद निराश लगा। ''उसने तो मुझे अंदर आमन्त्रित भी नहीं किया,'' वह बोला। फिर वह मुस्कराया। ''मगर मैंने कुछ पता लगा लिया, माया। मैं उस रेस्त्रां में गया जहाँ रमेश काम करता है और उससे बातें की।''

''बढ़िया किया, मि० जासूस,'' मैंने उसकी कमर थपथपाते हुए कहा, ''मुझे उम्मीद है तुमने उससे अच्छे से प्रश्न पूछे होंगे।''

सैविन सन्तुष्ट दिखा, ''रमेश ने मुझे बताया कि वह मि० नाथ के लिए प्रत्येक सुबह और शाम को दो बार भोजन और दो कप चाय, एक सुबह को और एक दोपहर मैं, ले जाता है। रमेश ने बताया कि उसकी भोजन में कुछ विशेष पसंद नहीं है, भोजन सदा एक जैसा ही होता है—दो चपाती, थोड़ी दाल और एक सब्जी। मि० नाथ नगद देते हैं और बख्शीश भी अच्छी देते हैं।''

''रमेश ने मुझे कुछ बहुत अजीब बताया, माया'' सैविन और बोला। ''लगभग प्रत्येक रविवार को, वह मि० नाथ के कमरे में दोपहर के समय दो भोजन ले जाता है और हर बार उसके साथ ही एक व्यक्ति होता है। वह लम्बा, गोरा और तगड़ा है और चश्मा पहनता है। रमेश बता रहा था कि मि० नाथ के विपरीत, जो बहुत कम बोलते हैं, उनका आगंतुक (मेहमान) बहुत बोलता है।''

''बहुत बढ़िया निषाद,'' मैंने उससे कहा। ''अब हमने अपनी पूछताछ में कुछ प्रगति कर ली है, तो हमें विशेषज्ञ जासूसों की तरह सारे तथ्यों को छाँट लेना होगा जिससे कि हम अपराधी को फँसा सकें।''

''तुम क्या बोलती रहती हो, माया,'' सैविन ने आह भरी। ''तुम कैसे सोच सकती हो कि वह एक अपराधी है? वह इतना साधारण लगता है!''

''अपराधी बहुत साधारण लग सकते हैं, अक्लमंद,'' मैंने वापस जवाब दिया। क्या तुमने कल के समाचारपत्रों में हैदराबादी सेंधमार का चित्र देखा? वह किसी आम व्यक्ति की तरह ही दिख रहा था।'' निषाद अनिश्चित लग रहा था।

अगले दिन से वर्षा आरम्भ हो गई। कड़कती बिजली और तूफान की गड़गड़ाहट के साथ गहरे काले बादल अपनी पूरी प्रचण्डता से फट गये और सड़कें भारी वर्षा से जलमग्न हो गई। विद्यालय को गर्मी की छुट्टियों के बाद खुलना था, मगर जल से भरी सड़कों पर यातायात नहीं चल सकता था और अप्रत्याशित छुट्टी हो गई।

मैंने सोचा कि समय का सदुपयोग करूँ। मैं हमारे शयनकक्ष में अपनी मेज पर अपने सामने एक कागज का पन्ना लेकर बैठ गई।

II

मैंने बड़े अक्षरों में लिखा:

अपराधी को पकड़ना

विशेषज्ञ जासूस: निषाद व माया पण्डित, समस्त विश्व द्वारा नियुक्त

फिर मैं लिखने लगी। लगभग आधे घण्टे बाद, मैं सैविन, जो अपने हाथों में अपनी ठोड़ी पकड़े, अपने पेट के बल लेटा कॉमिक्स पढ़ रहा था, की ओर मुड़ी।

''सुनना चाहते हो मैंने क्या लिखा है?'' मैंने पूछा।

उसने प्रश्नात्मक ढंग से ऊपर देखा। ''मैंने मि० नाथ के बारे में हमारे द्वारा जाने गये तथ्यों को सूचीबद्ध कर लिया जिनसे हमें उसे फँसाने में सहायता मिल सकती है,'' मैं बोली। ''सुनना चाहते हो?''

सैविन ने सिर हिलाया।
''तथ्य नंबर 1,'' मैंने पढ़ा, ''उसका नाम मि० नाथ। हमें उसका पहला नाम खोजना होगा।''
''क्या तुम सोचती हो वह उसका असली नाम है, माया?'' निषाद ने पूछा।
''शायद नहीं,'' मैं बोली। ''अधिकांश अपराधियों के वैकल्पिक नाम होते हैं।'' मैंने नाथ के बाद एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया।
''तथ्य नंबर 2,'' मैं पढ़ती गई, ''शंकर हाउस के शिष्टाचार कहते हैं वह पागल, अजीब और अमित्रतापूर्ण है।''
''नंबर 3, वह किसी से बात नहीं करता और अशिष्ट है।''
''मगर उन्होंने हमसे बात की थी, माया और माँ कहती हैं वह बहुत शिष्ट है,'' निषाद ने टोका।
''उसने हमसे इसलिए बातें कीं क्योंकि उसे करनी थीं,'' मैं बोली, ''और चूँकि वह माँ से इलाज करवा रहा था, उसे शिष्ट होना ही था।''
''तथ्य नंबर 4, उसे कोई पत्र नहीं आता,'' सैविन ने सिर हिलाया।
''नंबर 5, वह शंकर हाउस के कमरा नंबर 10 में एक वर्ष के अधिक से रह रहा है,'' मैं बोलती रही।
''नंबर 6, वह कार्य नहीं करता और दिन भर अपने कमरे में रहता है।''
''नंबर 7, शंकर हाउस के बच्चे और कुछ बड़े भी उससे डरते हैं।''
''नंबर 8, उससे मिलने एक चश्मा पहने, गोरे मोटे आदमी जो रविवार को उसके साथ लंच करने आता है, के अलावा कोई और नहीं आता।''
''नंबर 9, भोजन और चाय रमेश द्वारा नीचे के रेस्त्रां से उसके कमरे में ले जाए जाते हैं। उसे चिन्ता नहीं कि वह क्या खाता है, अपने बिल का भुगतान तुरन्त करता है और अच्छी बख्शीश देता है। अब मेरी सूची समाप्त होती है। क्या मैं कुछ भूल रही हूँ, सैविन?''
निषाद स्पष्टतया मेरी तथ्यों की सूची पर अधिक ध्यान नहीं दे रहा था। वह केवल इतना कह पाया, ''बेचारा, माया, अगर उसके कोई दोस्त है तो वह कितना अकेला होगा।''
''एक अपराधी के मित्र कैसे हो सकते हैं, मूर्ख?'' मैं लगभग चिल्लाई।
''उसका कब से एक दोस्त है, जो उससे रविवार को मिलता है,'' निषाद बोला।
तभी मुझे एक जबरदस्त विचार आया। ''वह व्यक्ति अपराध में मि० नाथ का साथी हो सकता है,'' मैं बोली। ''शायद वह सारा चोरी का माल रखता है और यदा-कदा अपने साथी को खर्चे के लिए उसका हिस्सा देने आता है। यही है! मुझे विश्वास है मैं सही हूँ।''
''अगर तुम उसे अपराधी कहती रहोगी, मुझे नहीं लगता मैं आपसे कोई चर्चा करूँगा, माया, ''निषाद गुस्से से बोला।'' वह इतना बुरा आदमी नहीं हो सकता अगर वह रमेश को इतनी उदार बख्शीश देता है।''
''रमेश शायद उसके अतीत के बारे में कुछ जानता है, इसलिए मि० नाथ उसे चुप रहने के लिए रिश्वत देते होंगे,'' मैंने कहा।
निषाद अपने हाथों को अपनी छाती पर कसकर पकड़कर मुझे गुस्से से घूरा। मैं उससे उकताने लगी थी।

''हम अपनी जाँच में प्रगति कैसे करेंगे अगर तुम्हारा ऐसा ही रैवया रहा तो, सैविन?'' मैंने पूछा।

''मैं तुम्हारा सहयोग तभी करूँगा जब तुम उसके बारे में भागे हुए अपराधी का विचार छोड़ दोगी,'' सैविन बोला। ''तुम मुझे वास्तव में गुस्सा दिला रही हो।''

मैंने लगभग उसे मार ही दिया। ''मैं तुम्हें गुस्सा दिला रही हूँ, बेवकूफ व्यक्ति,'' मैं चिल्लाई। ''तुम मुझे पागल कर रहे हो! अगर वह अपराधी नहीं है तो इस सारी जाँच-पड़ताल का क्या औचित्य है? अगर तुम सोचते है कि वह कोई नहीं है, तो उसे परेशान करने का क्या मतलब, कृपया मुझे बताओ?''

निषाद विचारों में खोया लगा। ''मैं यह जानना चाहूँगा कि वह इतना पतला क्यों है और वह इतना अकेला क्यों है। मैं जानना चाहता हूँ कि उनके कोई दोस्त क्यों नहीं है और अकेले क्यों रहते हैं।''

''समझने की कोशिश करो, सैविन,'' मैंने उसे बताया, ''अगर वह शंकर हाउस में एक वर्ष से रह रहा है और एक भी दोस्त नहीं बनाया है तो कुछ गलत है। वह वास्तव में डरा हुआ है कि कोई उसे पहचान लेगा और उसे पुलिस को सौंप देगा।''

निषाद ने विरोध किया। ''कोई परेशान क्यों हो?''

''तुमने देखा है कि वह कितना खराब भालू है,'' मैं बोली।

''मैं परवाह नहीं करता,'' निषाद जिद से बोला, ''मैं उसे पसंद करता हूँ और मैं उसका दोस्त बनने की कोशिश करूँगा।''

''अपराधी का दोस्त! हा! तुम पागल हो, सैविन,'' मैं बोली। ''पुलिसवाले तुम्हें उसके साथ जेल ले जाएँगे। तुम चाहते हो ऐसा हो जाए, मूर्ख?''

निषाद ने केवल मुझे घूरकर देखा और चुपचाप कमरे से बाहर चला गया। मेरे तमाम विचार उस पर तनिक भी प्रभाव नहीं डाल पाये थे।

Exercise

A. 1. (c) 2. (b) 3. (b)

B. 1. burn 2. detective 3. brilliant

C. 1. Nishad finds out the following about Mr. Nath from Ramesh:
(i) He is not very particular about what he eats. He eats two chapattis, dal and a vegetable.
(ii) He eats in the morning and evening.
(iii) He drinks two cups of tea, one in the morning and one in the afternoon.

2. Maya thinks that Mr. Nath is a crook because he does not have any friends even after spending more than a year at the place. Also, he does not talk to anyone and does not have any visitors at any time except for the visitor who meets him on Sundays.
She says that the Sunday visitor is his partner in crime and visits him on Sundays to give him his share of money.

3. No, Nishad does not agree with Maya about Mr. Nath. He thinks that Mr. Nath is a lonely and poor person who is starving. He thinks that Mr. Nath is a kind person who, despite having less money for himself, gives tips to Ramesh.

D. I think Mr. Nath is just an ordinary man who is probably not eating well. He might be an introvert which is why he does not have friends and visitors. He might enjoy being alone more than having the company of many others.

He is very lean because he does not take meals properly. He is not even particular about the food he eats. He just needs two chapattis, *dal* and a vegetable. He consults Nishad's mother, who is a doctor. This means that he has some ailment. That can be another reason why he prefers to be alone.

He also has scars on his face, making people think he is a crook. But, the scars might be from some accident. The visitor who comes every Sunday might be a family member who ensures that Mr. Nath is keeping well.

E. I think Nishad and Maya will find out that Mr. Nath is a good person and a introvert. They might even got to know that Mr. Nath is working from home because he does not keep well. That is the reason he prefers being at home and not having visitors.

They might become friends later, especially Nishad can be good friend to him because he was in his favour from the beginning. Maya would have regretted to have doubted him to be a criminal.

F. Do it yourself.

G. Do it yourself.

H.

(i)	finger tips	the ends of one's fingers
(ii)	the tip of your nose	the pointed end of your nose
(iii)	tip the water out of the bucket	empty a bucket by tilting it
(iv)	have something on the tip of your tongue	be about to say something
(v)	tip the boat over	make the boat overturn
(vi)	tip him a rupee	give a rupee to him, to thank him
(vii)	the tip of the bat	the end of the bat
(viii)	the police were tipped off	the police were told, or warned
(ix)	if you take my tip	if you take this advice
(x)	the bat tipped the ball	the bat lightly touched the ball

I.

(i) business <u>partner</u>
(ii) my <u>companion</u> on the journey
(iii) I'm mother's little <u>helper</u>
(iv) a <u>faithful</u> companion such as a dog
(v) the thief's <u>accomplice</u>
(vi) find a good <u>helper</u>

(vii) tennis/golf/bridge partner
(viii) his accomplice in his criminal activities

J. (i) The storm broke—it began or burst into activity
(ii) daybreak—the beginning of daylight
(iii) His voice is beginning to break—changing as he grows up
(iv) Her voice broke and she cried—could not speak; was too sad to speak
(v) The heat wave broke—this kind of weather ended
(vi) broke the bad news—gently told someone the bad news
(vii) break a strike—end it by making the workers submit
(viii) the machine broke down—the machine underwent a sudden physical damage

❑

12. Mystery of the Talking Fan

आइए आरंभ करें!

क्या आप के कमरे में जहाँ आप अभी बैठे हैं, एक छत का पंखा है? पंखा शान्त है या शोर करता है? अगर यह शोर करता है तो विश्वस्त हो जाइए, तो यह, कविता जो आप पढ़ने जा रहे हैं, उसमें 'बोलने वाले पंखे' का दूर का सम्बन्धी है।

एक बार एक बोलने वाला पंखा था—

उसकी बकवास विद्युतीय थी।
मैं ढंग से सुन नहीं पाया उसने जो कहा
और मैं आशा करता हूँ कि वह महत्त्वपूर्ण नहीं है
क्योंकि किसी ने किसी दिन उसमें तेल लगा दिया
उसकी छोटी घूमने वाली मोटर में
और सारा रहस्य बेकार हो गया
वह जल की तरह शान्त चलने लग गया।

Exercise

A. 1. (b) 2. (c) 3. (a)

B. 1. talking 2. hope 3. mystery

C. 1. The noise produced by the fan's motor with less oil sounds like the fan's chatter.
2. The talking fan was demanding some oil. It was seeking the attention of the people at home to put oil into its motor. Once it's motor was oiled, it became silent.

3. An electric fan manages to throw so much air when it is switched on as it has an electric motor which rotates and makes the three blades of the fan move round and round at a specified speed.
4. Mechanic: Hey! I just realized that you are a talking fan.
Fan: Oh thank God! Yes, I do talk. It's just that people don't listen.
Mechanic: Alright, so tell me. What is the matter?
Fan: I need some oiling. My motor is struggling to rotate.
Mechanic: Oh! I will put oil in the motor now.
Fan: Thank you so much!

D. (i) The chatter is electrical because the noise is being produced by the electrical motor of the fan.

(ii) It is mysterious because we cannot understand what the fan is speaking.

❑

13. The Invention of Vita-Wonk

आइए आरंभ करें!

कौन सबसे वृद्ध व्यक्ति हैं जिन्हें आप जानते हैं? कौन सी सबसे पुरानी वस्तुएँ हैं (i) आपके घर में, (ii) आपके नगर, कस्बे अथवा गाँव में? उनकी आयु कितनी है?

क्या आपकी कभी इच्छा हुई की आप बड़े होते? क्या आपकी कभी इच्छा हुई कि आप जल्दी से बड़े हो पाते?

मि० विली वोंका ने वोंका-विटे, जो लोगों को जवान बना देती है, के आविष्कार से आरम्भ किया। मगर वोंका-विटे अति शक्तिशाली है। तो कुछ लोग गायब हो जाते हैं क्योंकि उनकी आयु ऋणात्मक हो जाती है। एक व्यक्ति वास्तव में ऋणात्मक सत्तासी का हो जाता है, जिसका अर्थ है वापस आने से पूर्व उसे सत्तासी वर्ष तक प्रतीक्षा करनी होगी।

मि० विली वोंका को नई वस्तु का आविष्कार करना होगा....

I

मि० वोंका बोले, ''तो इसलिए एक बार फिर से मैंने अपनी बाँहें चढ़ाईं और काम पर लग गया। एक बार फिर से मैंने, नई विधि ढूँढ़ने के लिए अपने मस्तिष्क को निचोड़ा.....मुझे आयु को बनाना था...लोगों को बड़ा करना था...बड़ा और बड़ा, सबसे बड़ा... हा-हा!'' मैं चिल्लाया, क्योंकि अब विचार आने आरम्भ हो रहे थे। ''विश्व में सबसे अधिक आयु की जीवित वस्तु क्या है? कौन औरों से अधिक समय तक जीवित रहता है?''

''एक वृक्ष,'' चार्ली बोला।

''तुम सही हो, चार्ली। मगर किस प्रकार का वृक्ष? न तो डगलस फर। न तो ओक। न तो सिडार। नहीं, नहीं, मेरे लड़के। यह ब्रिस्लकोन पाइन है जो नेवाडा, यू०एस०ए० की व्हीलर पीक की ढलानों पर उगता है। आप व्हीलर पीक पर ब्रिस्लकोन पाइन देख सकते हैं जो 4,000 वर्ष पुराने हैं। यह तथ्य है, चार्ली। अपनी पसंद के किसी भी डेन्ड्रोक्रोनोलॉजिस्ट से पूछ लो (और घर पहुँच कर कृपया इस शब्द को शब्दकोष में देखना)। सो उससे मैं आरम्भ हुआ। मैं ग्रेट ग्लास ऐलिवेटर में कूदा और पूरे विश्व में सबसे वृद्ध जीवित वस्तुओं से विशेष वस्तुएँ इकट्ठी करता दौड़ा....

—एक 4,000 वर्ष पुराने ब्रिस्लकोन पाइन से आधा लीटर रस।

—एक 168 वर्ष के पैट्रोविच ग्रेगोरोविच नामक रूसी किसान के अँगूठे के नाखून की छीलन।

—टोंगा के राजा के 200 वर्ष पुराने कछुए का अंडा।

—अरब के 51 वर्ष पुराने घोड़े की पूँछ।

—क्रम्पैट्स् नामक 36 वर्षीय बिल्ले की मूँछे

—एक वृद्ध पिस्सु जो क्रमपैट्स पर 36 वर्ष तक रहा।

—तिब्बत के रहने वाले एक 207 वर्षीय विशाल चूहे की पूँछ।

—माउंट पोपोकेटपेत्ल की गुफा में रहने वाली 97 वर्षीय डायन के काले दाँत।

—पेरू में रहने वाले 700 वर्षीय कैटालो के जोड़ों की हड्डियाँ।

''पूरी दुनिया में, चार्ली,'' मि० वोंका बोलते गये, ''मैंने हर पुराने व प्राचीन जीव को ढूँढ़ा और उनमें हरेक से एक महत्त्वपूर्ण छोटा भाग—एक बाल या एक भौं और कभी-कभी, जब वह सो रहा होता, तो उसकी अँगुलियों के बीच से खुरचे गये एक या दो औंस जैम से अधिक नहीं। मैंने व्हिसिल पिग, बोबोलिंक, स्क्रॉक, पालीफ्रॉग, विशाल कर्लीक्यू, स्टिगिग स्लाग और जहरीले स्कर्वकल जो पचास गज दूर से आपकी आँखों में जहर थूक सकता है, को ढूँढ़ निकाला। मगर तुम्हें उन सब के बारे में बताने का अब समय नहीं है, चार्ली। अब मुझे जल्दी से बताने दो कि अन्त में, मेरे आविष्कार कमरे में बहुत अधिक उबालने, मिश्रण करने व परीक्षण करने के पश्चात, मैंने एक बहुत छोटे प्याले भर तैलीय काला तरल पदार्थ बनाया और उसकी चार बूँदें, यह देखने के लिए कि क्या होता है, एक बहादुर बीस वर्षीय ऊम्पा-लूम्पा के स्वयं सेवक को दे दीं।

''फिर क्या हुआ?'' चार्ली ने पूछा।

''वह जबरदस्त था।'' मि० वोंका जोर से बोले। ''जैसे ही उसने इसे निगला, उसका पूरा शरीर झुर्राने और सिकुड़ने लगा और उसके बाल झड़ने लगे और उसके दाँत गिरने लगे और जब तक मैं जान पाता, वह अचानक से पचहत्तर वर्ष का वृद्ध व्यक्ति बन गया और इस प्रकार, मेरे प्रिय चार्ली, वीटा-वोंक का अविष्कार हुआ!''

Exercise

A. 1. (c) 2. (b) 3. (b)

B. 1. rolled, sleeves 2. anything 3. started

C. 1. (i) The trees mentioned by Mr. Wonka are Douglas fir, Oak, Cedar and Bristlecone pine. He says that the Bristlecone pine lives the longest.

(ii) This tree has lived for over 4000 years. It can be found upon the slopes of Wheeler Peak in Nevada, U.S.A.

2. The oldest living things enlisted by Mr. Wonka are:
(i) A 4000-year-old bristlecone pine
(ii) A 168-year-old Russian farmer
(iii) A 200-year-old tortoise
(iv) A 51-year-old horse
(v) A 36-year-old cat
(vi) A 207-year-old giant rat
(vii) A 97-year-old grimalkin
(viii) A 700-year-old cattalo
(ix) A 36-year-old-flea.
I think most of them exist, while some might be purely imaginary.

3. Mr. Wonka collects items from the oldest things because he had to invent an item that can make people older.
I think researching the oldest things is still a good idea as it can give him an insight into what might be the reason behind their long life. But, collecting little things from such species is not a great idea to begin his invention.

4. The volunteer began to wrinkle and shrivel up all over. His hair started to drop off and his teeth started to fall out. He suddenly became a seventy-five year-old man!
The name of the invention was Vita-Wonk.

D. (i) Mr. Wonka mentions the following trees:

- Douglas fir
- Oak
- Cedar
- Bristlecone pine

Douglas fir is found in coastal regions from west-central British Columbia southward to central California. Oak is found in cool temperate to tropical latitudes in Asia and America.

Cedar tree is found in the mountains of the western Himalayas and the Mediterranean region. Bristlecone Pines are found in the higher mountains of the southwest United States. There are such bristlecone pine trees which are over 4000 years old.

(ii) Some large trees found around my area are:
Eucalyptus tree, Neem trees, Peepal tree and Banyan tree.
Eucalyptus trees are largely found in my area. They are used to prepare eucalyptus oil that has medicinal uses. Peepal and Banyan are

worshipped. Some of them have existed for more than 150 years. The Neem tree in front of my house was planted by my grandmother 50 years back. It is a huge tree now.

E. The age of any living thing is calculated from the day it is born. It determines how much it has lived till date. There are some countries where more people are of old age rather than young.

For instance, in countries like Italy where there are more old people rather than young people, whereas India is a country where the number of youth is higher.

The age of a tree can be calculated by counting the number of rings in its trunk. The carbon dating process can be used to find the age of a horse, a rock, etc.

F. Do it yourself.

G. Do it yourself.

H. Do it yourself.

I. (i) One onion
One cup *dal*
Two thin green chillies
Half a teaspoon red chilli powder
Eight small bunches of *palak*
Two tomatoes
Salt to taste
Wash and cut the vegetables; shred the *palak*. Put everything in a pressure cooker. Let the cooker whistle three times, then switch it off. Fry a few cumin seeds in oil and add to the *palak-dal*.

❑

14. Dad and the Cat and the Tree

आइए आरंभ करें!

क्या आपने कभी किसी बिल्ली को वृक्ष पर चढ़ते देखा है? कभी-कभार बिल्ली बहुत ऊँचा चढ़कर वृक्ष पर फँस सकती है। बेचारी बिना सहायता के नीचे नहीं आ सकती। आप इसकी सहायता केसे करेंगे? वास्तव में, कविता में पिता की तरह नहीं। क्या पिता एक अच्छे चढ़ने वाले हैं? उनकी योजनाएँ क्या थीं? पता करने के लिए कविता को पढ़ें।

आज सवेरे एक बिल्ली
हमारे वृक्ष में फँस गई
पिताजी बोले, ''ठीक है, इसे बस
मुझ पर छोड़ दो।''

वृक्ष हिल-डुल रहा था
वृक्ष लम्बा था
माँ बोली, ''भगवान के लिए
गिर मत जाना!''
''गिर?'' पिताजी मजाक उड़ाते हुए बोले,
''मुझ जैसा चढ़ने वाला?
यह तो बच्चों का खेल है!
तुम अब आराम से देखो।''
उन्होंने सीढ़ी बाहर निकाली,
बगीचे के शैड में से।
वह फिसल गई। वह गिरे
फूलों की क्यारी में।
''कोई बात नहीं,'' बोले पिताजी
मिट्टी झाड़ते हुए
अपने बालों और चेहरे से,
और अपनी पतलून और कमीज से।
''हम B योजना अपनाएँगे।
रास्ते में से हट जाओ
माँ ने बोला, ''फिर से
मत गिरना, ठीक है?''
''फिर से गिरना?'' बोले पिताजी।
''मजेदार चुटकुला!''
फिर वह झूलकर चढ़ गये
एक शाखा पर। वह टूट गई।
पिताजी धड़ाम से गिरे
वापस डैक पर
माँ बोलीं, ''छोड़ दो,
तुम अपनी गर्दन तोड़ लोगे!''
''बेकार की बात!'' बोले पिताजी
''अब हम C योजना अपनाएँगे।
यह तो पलक झपकाने जैसा आसान है
मुझ जैसे चढ़ने वाले के लिए!''
फिर वह ऊँचे चढ़ गये
बगीचे की दीवार पर।
सोचो क्या हुआ?

वह नहीं गिरे!
उन्होंने लम्बी छलांग लगाई
और जाकर पट गिरे
वृक्ष के तने के दुशंगे में
एकदम ऊपर बिल्ली के!
बिल्ली बहुत जोर से चीखी
और धरती पर कूद गई
बहुत प्रसन्न थी वह
सुरक्षित वह हो गई
इसलिए वह मुस्करा और खींसे निपोर रही है,
जितनी आत्मसन्तुष्ट हो सकती है,
मगर बेचारे पिताजी,
अभी भी वृक्ष पर ऊपर अटके हैं।

Exercise

A. 1. (c) 2. (c) 3. (c)

B. 1. leave 2. landed 3. great

C. 1. Dad was sure that he wouldn't fall because he thought that he was a great climber.

2. The phrase in the poem that expresses Dad's self-confidence best is: "Easy as winking to a climber like me."

3. Plan A was to climb the tree with the help of a ladder. Although the ladder slipped and Dad fell on the ground.

4. Plan C was a success. Dad reached the place where the cat was stuck. But, the moment he reached the place, the cat jumped onto the ground.

5. The phrase that expresses the idea that 'the cat was very happy to be on the ground' is:
"Smiling and smirking."

6. In the beginning, the cat was stuck on the tree, and Dad was looking at it from the ground. In the end, Dad got stuck on the tree, and the cat was free on the ground.

7. (i) Fall?: As his wife warned him against falling, Dad said "fall?", showing an expression of confidence that a climber like him can never fall.
(ii) Never mind: As Dad fell from the tree, he said, "Never mind" while brushing the dirt off his clothes.
(iii) Funny joke: As his wife warned him again, he said "funny joke," boasting about his climbing skills again.

(iv) Rubbish: Dad said this as he was yet again warned by his wife when he fell after trying plan B too.

D. Do it yourself.

❑

15. Fire : Friend and Foe

आइए आरंभ करें!

आग उपयोगी और खतरनाक दोनों है। आग क्या है? हमने इसकी खोज कैसे की? हम इसे कैसे नियन्त्रित करते हैं?

प्राचीन मानव नहीं जानता था कि आग क्या है, मगर उसने इसके द्वारा किये गये नुकसान को अवश्य देखा होगा। उसने स्वयं आग का उपयोग करने से बहुत पहले आकाशीय बिजली और ज्वालामुखी को देखा होगा। आग शक्तिशाली और खतरनाक थी, और वह डर गया था।

आग ने प्राचीन मानव को उलझन में डाल दिया होगा मगर अब हम जानते हैं कि आग एक रासायनिक अभिक्रिया का परिणाम है। जब वायु की ऑक्सीजन ईंधन के कार्बन और हाइड्रोजन से सम्मिश्रण करती है, तो एक रासायनिक प्रक्रिया होती है। इस प्रक्रिया में ऊष्मा और प्रकाश के रूप में ऊर्जा अवमुक्त होती है।

आग बनाने के लिए तीन वस्तुओं की आवश्यकता होती है—ईंधन, ऑक्सीजन और ऊष्मा। लकड़ी, कोयला, खाना पकाने की गैस और पैट्रोल ईंधन के कुछ उदाहरण हैं। ऑक्सीजन वायु से आती है। यही कारण है जब आप सुलगते कागज पर फूँक मारते हैं, उसमें आग भड़क जाती है। आग जलाने के लिए तीसरी आवश्यक वस्तु ऊष्मा होती है। ईंधन और ऑक्सीजन स्वयं से आग नहीं बनाते, नहीं तो खुले में पड़े समाचारपत्र या डंडी स्वयं से आग पकड़ लेते। कागज या लकड़ी के टुकड़े को जलाने के लिए, हम इसके जलने से पहले गर्म करते हैं। यह हम आमतौर पर जलती हुई माचिस की तीली से करते हैं। प्रत्येक ईंधन का एक विशेष तापमान होता है जिस पर वह जलना आरम्भ करता है। यह तापमान ईंधन का 'प्रज्वलन तापांक'' या 'स्वत: प्रज्वलन ताप' कहलाता है।

उदाहरण के लिए, इसका उपयोग हम अपना भोजन पकाने, सर्दी में अपने घर गर्म करने और बिजली उत्पन्न करने के लिए करते हैं। वहीं दूसरी ओर, अगर आग अनियन्त्रित हो जाए तो यह बहुत खतरनाक हो जाती है। प्रत्येक वर्ष, हजारों घरों और दुकानों को आग से नुकसान होता है। वनों का विशाल क्षेत्र बरबाद हो जाते हैं और सैकड़ों लोग घायल होते या मारे जाते हैं। जैसे कि आग जलाने के लिए तीन वस्तुओं की आवश्यकता होती है, वैसे ही आग को बुझाने के तीन मुख्य तरीके हैं—प्रत्येक में, जलाने के लिए आवश्यक तीन वस्तुओं में से एक को हटा लिया जाता है।

उदाहरण के लिए, हम ईंधन को हटा सकते हैं। अगर आग के पोषण के लिए ईंधन नहीं है। आग नहीं जल सकती। हम अक्सर आग को, केवल उसे और ईंधन न देकर, उसे बुझा देते हैं।

आग बुझाने का दूसरा तरीका उस तक ऑक्सीजन पहुँचने को रोकना है। ऑक्सीजन की कोई आपूर्ति नहीं का अर्थ है कोई आग नहीं। छोटी-मोटी आग को गीले कंबल अथवा बोरे से बुझाया या 'दबाया' जा सकता है। यह ऑक्सीजन को जलते पदार्थ तक पहुँचने से रोक देता है। कभी-कभी आग बुझाने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग होता है। यह ऑक्सीजन को जलते पदार्थ तक नहीं पहुँचने देती है।

आग बुझाने का तीसरा तरीका ऊष्मा को हटा देना है। अगर तापमान को ज्वलन तापांक को लाया जा सकता है, तो ईंधन जलना बंद हो जाता है। आप जलती माचिस की तीली अथवा मोमबत्ती को बुझाने के लिए उस पर फूँक मारते हैं। ऐसा करने में आप लौ के आस-पास की गर्म हवा को हटाते हैं जिससे तापमान प्रज्वलन तापांक के नीचे आ जाता है और मोमबत्ती बुझ जाती है। कभी-कभी आग पर जल छिड़का जाता है। यह जलते ईंधन से गर्मी सोख कर तापमान को कम कर देता है। फिर जल का यह कंबल ऑक्सीजन की आपूर्ति को काट देता है और आग बुझ जाती है।

कुछ आग जल से नहीं बुझाई जा सकती है। अगर तेल की आग पर जल छिड़का जाए, तो तेल जल के ऊपर आकर तैरने लगेगा। यह बहुत खतरनाक है क्योंकि जल अपने साथ जलते तेल को लेकर तेजी से बहता है और आग फैल जाती है। बिजली के उपकरणों से लगने वाली आग पर भी जल का उपयोग नहीं करना चाहिए। जल छिड़कने वाले को बिजली का झटका लग सकता है और उसकी मृत्यु हो सकती है। बिजली की आग से लड़ने का सबसे बढ़िया उपाय कार्बन डाइऑक्साइड अग्निशमन यन्त्र है।

हम हर वर्ष आग से लड़ने में लाखों रुपये खर्च करते हैं और आग लगने और उसके अनियन्त्रित होने को रोकने के लिए नये तरीके खोजने में और अधिक खर्च करते हैं। कुल मिलाकर, आग को नियन्त्रित करना और हमारे दैनिक जीवन उसका अच्छे से उपयोग करना हमने अच्छे ढंग से सीख लिया है।

बहुत पहले, आग बुझाने वाले नहीं थे। जब आग लग जाती थी तो हरेक आग बुझाने वाला बन जाता। लोग मानव शृंखला बनाते (अगर आवश्यकता हो तो आग भी बनाते हैं) और कुएँ या तालाब से आग लगने के स्थान तक जल की बाल्टियाँ बढ़ाते थे। अब भवन निर्माण के बारे में नियम हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि आग के खतरे को कम करने के लिए भवनों के मध्य स्थान छोड़ा जाए। हर नए भवन, विशेषकर एक सार्वजनिक स्थान, को आग से बचाव के मानकों का पालन सुनिश्चित करना चाहिए। फायर ब्रिगेड नामक विशेष उपकरणों से लैंस आग बुझाने को होते हैं। आग बुझाने वाले उच्च प्रशिक्षित व्यक्ति होते हैं। उनमें अनेक कौशल होते हैं। वे विद्युत आपूर्ति को काट देते हैं, खतरनाक दीवारों को गिरा देते हैं, आग को नियन्त्रित करने के लिए आग और अन्य पदार्थों का छिड़काव करते हैं।

वे प्राथमिक उपचार में भी प्रशिक्षित होते हैं जिससे कि वे जल गये अथवा धुएँ से प्रभावित लोगों की सहायता कर सकें।

आग की खोज और इसके उपयोगों ने प्राचीन मानव को प्रकृति का ढंग से प्रबन्धन तक व्यवस्थित जीवनशैली को धीरे-धीरे अपनाने की सहायता की। अभी भी विश्व के अनेक भागों में आग को पूजा जाता है। आग वास्तव में मित्र है मगर, जैसा कि हम जानते हैं, नियन्त्रण से बाहर होने पर यह एक खतरनाक शत्रु बन सकती है।

Exercise

A. 1. (c) 2. (a) 3. (c)

B. 1. control, dangerous 2. oxygen, fire 3. Firefighters

C. 1. Every fuel has a specific temperature at which it starts to burn. This specific temperature is called the flash point or kindling temperature of the fuel.

2. (i) Some common uses of fire are:
   - It is used to produce electricity
   - It is used for cooking
   - It is also used to heat our home in winter.

   (ii) Fire is a "bad master" because if it is not under control, it can create huge damage to lives, properties, forests, etc.

3.

	A	B
(i)	fuel	Smouldering paper
		Cooking gas
		Coal
		Wood
(ii)	Oxygen	Air
(iii)	heat	Lighted matchstick
		Burning coal

4. Three main ways in which a fire can be controlled or put out are the following:
   (i) Stop the supply of the fuel
   (ii) Bring down the heat
   (iii) Stop the supply of oxygen

5.

(i)	To burn paper or a piece of wood,	we heat it before it catches fire.
(ii)	Small fires can be put out	with a damp blanket.
(iii)	When water is spread on fire,	it absorbs heat from the burning material and lowers the temperature.
(iv)	A carbon dioxide extinguisher is the best thing	to put out an electrical fire.
(v)	Space left between buildings	reduces the risk of fire.

6. A burning candle goes out when we blow on it because when we blow air, we remove the hot air around the flame bringing down its temperature below the flash point.
7. Spraying water is not a good way of putting out an oil fire or an electric fire. This is because, if water is sprayed on an oil fire, oil will come on the top layer of water and will still burn. As water flows quickly, it can take oil with it and thus increase the area where the fire can spread.
   If water is sprayed on an electric fire, the person might get an electric shock and get killed.
8. In order to prevent a fire at home and in the school, the following things can be done:
   (i) All electrical appliances must be kept far from flammable things like furniture, etc.
   (ii) Turn off the gas supply of the stove after use.

D. (i) The fire began on Monday and eighteen fire tenders struggled to douse the blaze till morning.
(ii) Over 25 shops were gutted in a major fire.
(iii) No casualties were reported but property worth several lakhs was destroyed.

E. 1. Fire is the result of a chemical reaction.
2. Energy in the form of heat and light is released in this process.
3. When the oxygen in the air combines with carbon and hydrogen in a fuel, a chemical reaction takes place.
4. Oxygen comes from the air.
5. Every fuel has a particular temperature at which it begins to burn.
6. For instance, we use it for cooking our food, warming our homes in water and generating electricity.
7. If fire gets out of control, it can be very dangerous.
8. Vast areas of forest are also destroyed and hundreds of people are killed or injured.
9. It absorbs heat from the burning fuel and lowers the temperature.
10. The blanket of water also cuts off the supply of oxygen, and the fire is extinguished.

F. (i) Gandhiji's life was devoted to the cause of justice and fair play.
(ii) Have you insured your house against fire?
(iii) Diamond is nothing but carbon in its pure form.
(iv) If you put too much coal on the fire at once you will smother it.
(v) Smoking is said to be the main cause of heart disease.
(vi) When asked by an ambitious writer whether he should put some fire into his stories, Somerset Maugham murmured, "No, the other way round."

(vii) She is a carbon copy of her mother.
(viii) It is often difficult to smother a yawn when you listen to a long speech on the value of time.

G. (i) You were required to keep all the doors *open,* not shut.
(ii) Pupil: What mark did I get in yesterday's Maths test?
Teacher: You got what you get when you *add* five and five and subtract ten from the total.
(iii) Run four kilometres a day to *preserve* your health. Run a lot more to destroy it.
(iv) If a doctor advises a lean and lanky patient to *reduce* his weight further, be sure he is doing it to increase his income.
(v) The world is too much with us; late and soon. *Getting* and spending we lay waste our powers.

H. (i) The cat chased the mouse across the lawn.
(ii) We were not allowed to cross the frontier. So we drove along it as far as we could and came back happy.
(iii) The horse went past the winning post and had to be stopped with difficulty.
(iv) It is not difficult to see through your plan. Anyone can see your motive.
(v) Go along the yellow line, then turn left. You will reach the post office in five minutes.

❑

16. Meadow Surprises

आइए आरंभ करें!

एक हरे मैदान, पार्क और या फिर वृक्षों के झुरमुट के नीचे से पैदल निकलिए और आप अनेक आश्चर्यजनक वस्तुएँ देख पाएँगे। किसी पैनी नजर और तेज कान वाले के लिए एक घास के मैदान में क्या आश्चर्य होते हैं?

घास के मैदान में आश्चर्य होते हैं,
आप उन्हें ढूँढ़ सकते हैं अगर आप देखें;
रेशमी घास में आराम से चलिए,
और छोटी नदी किनारे ध्यान से सुनिए।
आप एक तितली देख सकते हैं
एक पीले फूल पर बैठे हुए
और यह सूँड को खोलती है
मधु को पीने के लिए।
आप एक खरगोश को डरा देंगे

जो बिना हिले-डुले बैठा है
यद्यपि आप पहली बार में आप उसे नहीं देख पाएँगे,
आप उसे देखेंगे जब वह कूदता है।
एक सिंहपर्णी का रोएंदार सिर
जो कुछ दिनों पूर्व सुनहरा था
हवा में उड़ने वाले पैराशूट बन जाता है
जब आप फूँक मारते हैं तो उड़ जाता है।
घास के मैदान में घरों को देखो,
भूमि में खरगोश के बिल,
ऊँची घास के नीचे घोंसला,
और चींटी के आश्चर्यजनक बिल।
ओह घास के मैदान में आश्चर्य हैं
और बताने को अनेक बातें;
आप उन्हें स्वयं खोज सकते हैं,
अगर आप ध्यान से सुने और देखें।

Exercise

A. 1. (c) 2. (b) 3. (b)
B. 1. butterfly 2. rabbit, still 3. meadow, burrows
C. Do it yourself. **D.** Do it yourself.
E. Do it yourself. **F.** Do it yourself.

❑

17. A Bicycle in Good Repair

आइए आरंभ करें!

अगर आप साइकिल पर लम्बी सैर के लिए जाना चाहते हैं तो साइकिल अच्छी स्थिति में होनी चाहिए। अगर सम्भव हो तो, एक विशेषज्ञ मिस्त्री को ही इसका जीर्णोद्धार करना चाहिए। किन्तु अगर मशीन की स्वयं की इच्छाशक्ति हो और मिस्त्री को कुछ न आता हो, तो क्या होगा?

I

मेरे एक जानने वाले व्यक्ति ने एक शाम प्रस्ताव दिया कि हमें अगले दिन साइकिल की लम्बी सैर पर जाना चाहिए और अन्त में सहमत हो गया। मैं अपने लिए जल्दी उठा, मैंने प्रयास किया और स्वयं से प्रसन्न हुआ। वह आधा घंटा देर से आया, मैं बगीचे में उसकी प्रतीक्षा कर रहा था। यह एक प्यारा दिन था। वह बोला, ''यह तुम्हारी अच्छी दिखने वाली मशीन है। यह कैसे चलती है?''

''ओह, अधिकांश की तरह!'' मैंने उत्तर दिया, ''सवेरे पर्याप्त आसानी से, दोपहर के भोजन के बाद थोड़ी कठिन हो जाती है।''

उसने उसे अगले पहिए और चिमटे से पकड़ लिया और जोर से हिलाया।

मैं बोला, ''वह मत करो, तुम इसे नुकसान पहुँचाओगे।''

मुझे समझ नहीं आया कि उसे इसे क्यों हिलाना चाहिए था, उसने उसे कुछ नहीं किया था और अगर इसे हिलना था, तो इसे हिलाने के लिए मैं उचित व्यक्ति था। मुझे ऐसा लगा जैसा कि मुझे लगता अगर वह मेरे कुत्ते को पीट देता।

वह बोला, ''यह अगला पहिया डगमगाता है।''

मैंने कहा, ''वह नहीं करेगा अगर तुम उसे डगमगाओगे नहीं।'' वह डगमगाता नहीं था, वास्तव में डगमगाहट कहलाने लायक कुछ भी नहीं।

उसने कहा, ''यह खतरनाक है, क्या तुम्हारे पास हथौड़ा है?'' मुझे दृढ़ रहना चाहिए था मगर मैंने सोचा शायद वह इस धन्धे के बारे में वास्तव में कुछ जानता था। मैं उपकरण के शैड में देखने गया कि मुझे क्या मिल सकता है। जब मैं वापस आया तो वह भूमि पर बैठा था और अगला पहिया उसके पैरों के बीच था। वह उससे खेल रहा था, उसे अपनी अंगुलियों के बीच गोल-गोल घूम रहा था; मशीन का बाकी भाग उसके बराबर बजरी वाले रास्ते पर पड़ा हुआ था।

वह बोला ''मुझे ऐसा लगता है कि मानो इसके बेयरिंग पूरी तरह से गलत थे।''

मैंने कहा, ''अपने आप को और परेशान मत करो; तुम खुद को थका लोगे। लाओ इसे वापस रख दें और हट जाएँ।''

उसने कहा, ''अब यह बाहर आ गई है तो देख ही लेते हैं कि क्या मामला है।'' वह ऐसे बोला मानो वह वहाँ दुर्घटनावश आ गई हो।

इससे पहले कि मैं उसे रोक पाता उसने कहीं पर कुछ खोल दिया, एक दर्जन के लगभग छोटी गेंदे रास्ते पर लुढ़क आईं।

''उन्हें पकड़ो।'' वह चिल्लाया, ''उन्हें पकड़ो! हमें उनमें से एक को भी खोना नहीं है।'' वह उनके बारे में बहुत उत्साहित था।

हम आधा घंटे तक धरती पर रेंगे और सोलह ढूँढ ली। उसने कहा कि उसे आशा थी कि हम सारी ढूँढ़ पाते, अगर नहीं, तो इससे मशीन पर गम्भीर फर्क पड़ेगा। मैंने उन्हें सुरक्षा के लिए अपने टोप में रख लिया। मैं मानता हूँ ऐसा करना समझदारी नहीं थी।

II

फिर उसने कहा कि जब वह इस कार्य में लगा ही हुआ है तो वे मेरे लिए चेन को देख लेगा और एकदम से गियर-केस खोलने लगा। मैंने उसे ऐसा करने से रोकने की कोशिश की। मैंने उसे बताया कि मेरे एक अनुभवी मित्र ने गम्भीरता से मुझसे क्या कहा था: ''अगर तुम्हारे गियर केस में कुछ समस्या हो जाए, तो मशीन को बेच दो और एक नई ले लो; यह सस्ता पड़ता है।''

वह बोला, ''जो लोग मशीनों के बारे में कुछ नहीं जानते, वे ऐसे बोलते हैं, गियर-केस खोलने से आसान कुछ नहीं होता।''

मुझे स्वीकार करना पड़ा कि वह सही था। पाँच मिनट के भीतर ही उसने गियर-केस को दो टुकड़ों में कर दिया था, रास्ते में पड़ा हुआ था पेंचों के लिए रेंग रहा था। उसने कहा कि पेंचों के गायब होने का तरीका उसके लिए सदा ही रहस्य रहा।

सामान्य बोध मुझसे फुसफुसाया: ''उससे पहले कि वह कोई और शरारत करे, उसे रोको। तुम्हें अपनी सम्पत्ति को पागल के नुकसान से बचाने का अधिकार है। उसे उसके गिरेबान से पकड़ो और लात मारकर गेट से बाहर कर दो!''

लेकिन जब दूसरों की भावनाओं को दुख पहुँचाने की बात आती है तो मैं कमजोर पड़ जाता है और उसे उलझने दिया।

उसने बाकी के बचे हुए पेंचों को ढूँढ़ना छोड़ दिया। उसने कहा कि पेंचों को, जब आपको सबसे कम आशा होती है, प्रकट हो जाने की आदत होती है और अब वह चेन को देखेगा। वह उसे कसता गया जब तक वह चलना बंद न हो गई, फिर उसने उसे ढीला कर दिया जब तक कि वह पहले से दोगुनी ढीली न हो गई। फिर उसने कहा कि बेहतर होगा कि हम अगले पहिए को उसके स्थान में लगाने की सोचें।

मैंने चिमटे को खोला और वह पहिए में उलझ गया। दस मिनट बाद सुझाव दिया कि वह चिमटे को पकड़े और मैं पढ़िए को सँभालू और हमने स्थान बदल लिए।

थोड़ी देर में हमने उस वस्तु को उसके स्थान में लगा दिया और जिस क्षण वह अपने स्थान में लगा, वह जोरों से हँसना लगा।

मैंने कहा, ''क्या मजाक है?''

वह बोला, ''ठीक, मैं गधा हूँ!''

यह पहली बात थी जो उसने मुझे बताई जिससे मैं उसका सम्मान करन लगा। मैंने उससे पूछा कि उसने यह खोज कैसे की।

वह बोला, ''हम गेंदे भूल गये हैं!''

मैंने अपने टोप को देखा; वह रास्ते के बीच में उलटा पड़ा था।

वह हँसमुख स्वभाव का था। उसने कहा, ''ठीक है, हम जितनी ढूँढ़ पाए उतनी लगा दें, बाकी ईश्वर पर छोड़ दें।''

हमें ग्यारह मिलीं। हमने छह एक ओर लगाईं और पाँच दूसरी ओर और आधा घंटे बाद पहिया अपने स्थान में फिर से लगा था। हमें अब शायद ही कहने की आवश्यकता कि वह अब वास्तव में डगमगा रहा था, एक बालक भी इसे देख सकता था। उसने कहा कि अभी ऐसा ही चलेगा।

मैंने कहा, ''तुम्हें ऐसा करते देखना मेरे लिए वास्तव में काम का है। यह तुम्हारा कौशल नहीं जो मुझे लुभाता है, यह तुम्हारा हर्षित आत्मविश्वास है, तुम्हारा अकथनीय आशावाद है जो मुझे पसंद है।''

इस प्रकार प्रोत्साहित होकर, वह गियर-बॉक्स को फिर से लगाने लग गया। उसने साइकिल को घर पर टिकाया और एक ओर से काम करने लगा। फिर उसने उसे एक वृक्ष पर टिकाया और दूसरी ओर काम करने लगा। फिर मैंने उसे उसके लिए पकड़ा, जबकि वह भूमि पर लेटकर, उसका सिर दोनों पहियों के बीच में दिये, उस पर नीचे से काम कर रहा था और

अपने ऊपर तेल गिरा रहा था। फिर उसने उसे मुझसे ले लिया और उसके ऊपर दुल्लर हो गया जब तक कि उसका सन्तुलन न बिगड़ गया और वह अपने सिर के बल फिसल गया।

फिर उसने अपना आपा खो दिया और उस वस्तु को धमकाने का प्रयास किया। मुझे यह देखकर अच्छा लगा कि साइकिल ने भी जोश दिखाया और बाद की कार्यवाही गिरकर उसके और मशीन के बीच एक कठिन लड़ाई में बदल गई। एक पल साइकिल बजरी के रास्ते पर पड़ी होती और वह उसके ऊपर और अगले पल, स्थिति उलट जाती—वह बजरी के रास्ते पर पड़ा हुआ और साइकिल उसके ऊपर। अब वह जीत के जश्न में डूबा खड़ा होता, साइकिल उसके पैरों के बीच में फँसी खड़ी हुई। लेकिन उसकी जीत कम समय की ही रही। एक अचानक, त्वरित गति से वह स्वयं को मुक्त कर लेती और उसके ऊपर घूमते हुए, अपने एक हैण्डिल से उसके सिर एक तेज चोट मारती।

पौने एक बजे, गंदा और अस्त-व्यस्त, कटा हुआ और खून बहते हुए, उसने मुझसे कहा, ''मुझे लगता है कि बहुत हो गया,'' और उठा और अपना माथा पोंछा।

साइकिल लग रही थी मानो उसके लिए भी पर्याप्त रहा। कहना मुश्किल है कि किसे अधिक सजा मिली। मैं उसे रसोई में ले गया जहाँ, जहाँ तक हो सकता था, उसने स्वयं को साफ किया। फिर मैंने उसे घर भेज दिया।

Exercise

A. 1. (b) 2. (c) 3. (a)

B. 1. trouble 2. confess 3. temper, bullying

C. 1. No, the front wheel did not wobble much. We can say so because the author says "It didn't wobble, as a matter of fact—nothing worth calling a wobble."

2. When the author returned from the tool shed, he saw that his friend was sitting on the ground with the front wheel of the bicycle between his legs. He was playing with it, twiddling it round between his fingers and the rest was lying on the gravel path beside him.

3. The author's friend says, "Nothing is easier than taking off the gear-case."

   The author warns him that he had heard from one of his experienced friends that, "if anything goes wrong with your gear-case, sell the machine and buy a new one; it comes cheaper."

   The author's friend doesn't take it seriously and continues to take off the gear-case. Later, he struggles and is unable to put back the gear-case in its proper place.

4. The author's friend tightened the chain so much that is stopped moving completely. Then he began to loosen it. He loosened it until it became twice as loose as it was before.

5. The two phrases in the text which mean the same are:
   - Cheery confidence
   - Inexplicable hopefulness

6. The author's bicycle did not need any treatment. It was in good condition, but the friend of the author made it a big deal and messed it up. He actually made it such that now it would need a lot of repairs.
The fight between the man and the machine can be understood by the following paragraph in the text:
One moment the bicycle would be on the gravel path and he on top of it; the next, the position would be reversed—he on the gravel path, the bicycle on him. Now he would be standing flushed with victory, the bicycle firmly fixed between his legs. But his triumph would be short-lived. By a sudden, quick movement, it would free itself and turning upon him, hit him sharply over the head with one of its handles.

D. (i) You *must* do your duty irrespective of consequences.
(ii) You *should* study at least for an hour every day.
(iii) The doctor says it is a *must* for her to sleep eight hours every night.
(iv) *You ought* to show respect towards elders and affection towards youngsters.
(v) If you want to stay healthy, *you must* exercise regularly.
(vi) You *should* take a walk every morning.
(vii) *You must* do not stand on your head.
(viii) As he has a cold, *he* should go to bed.

E. (i) People who live in glass houses <u>should</u> not throw stones.
(ii) You <u>must</u> wipe your feet before coming into the house, especially during the rains.
(iii) You <u>must</u> do what the teacher tells you.
(iv) The pupils were told that they <u>should</u> write more neatly.
(v) Sign in front of a park: You <u>must</u> not walk on the grass.
(vi) You <u>ought</u> to be ashamed of yourself having made such a remark.
(vii) He left home at 9 o'clock. He <u>should</u> be here any minute.
(viii) "Whatever happened to the chocolate cake?"
"How <u>should</u> I know? I have just arrived."

F. (i) I went to the tool shed to see what I could find. (3 parts)
I went to the tool shed. I went (there) to see.
What I could find.
(ii) When I came back he was sitting on the ground. (2 parts)
I came back. He was sitting on the ground.
(iii) We may as well see what's the matter with it, now it is out. (3 parts)
We may as well see.
What is the matter with it.
Now it is out.

(iv) He said he hoped we had got them all. (3 parts)
He said.
He hoped.
We had got them all.

(v) I had to confess he was right. (2 parts)
I had to confess.
He was right.

G. (i)

en (prefix)	**en (suffix)**	**en (part of word)**
encourage	dampen	listen
endanger	soften	barren
enable	weaken	even
enclose	fasten	enclave

(ii)

en (prefix)	**en (suffix)**	**en (part of word)**
endangered	tighten	evening
enact	loosen	garden
entrap	forgotten	enough
		when, dozen
		end, ten, open, sudden

❑

18. Garden Snake

आइए आरंभ करें!

क्या आपने किसी साँप को नेवले से लड़ते, या बिल में जाते, या नदी में तैरते देखा है? प्रत्येक, लगभग प्रत्येक, मानता है कि साँप खतरनाक होते हैं। कुछ होते हैं, अधिकांश नहीं होते। एक हानिरहित बगीचे के साँप के बारे में यह कविता पढ़िए।

मैंने एक साँप देखा और भाग गया...
कुछ साँप खतरनाक होते हैं, वे कहते हैं;
मगर माँ बोली उस प्रकार के अच्छे होते हैं,
जो अपने भोजन के लिए कीड़ों को खाते हैं।
तो जब वह घास में रेंगता है
मैं एक ओर होकर उसे जाते देखूँगा,
और स्वयं से कहूँगा, ''कोई गलती नहीं है,
यह तो केवल एक हानिरहित बगीचे का साँप है!''

Exercise

A. 1. (c) 2. (c) 3. (a)

B. 1. snakes 2. aside 3. harmless

C. 1. The line that suggests that the child is afraid of snakes is:
"I saw a snake and ran away..."

2. The line that shows a complete change of child's attitude towards snakes is:
"I'll stand aside and watch him pass,"

3. The mother is referring to the "garden snakes".

D. Do it yourself.

E. The four pairs of rhyming words in the poem are:

Away-say	Good-food
Grass-pass	Mistake-snake

❑

Half-Yearly Model Test Paper

A. 1. (b) 2. (a) 3. (c) 4. (b) 5. (c)

B. 1. cool 2. no 3. affairs
4. better, something 5. home

C. 1. Ravi had to return the bike to his friend.
2. One should be faithful to one's friends.
3. The dreadful dream awoke Raunaq from sleep.

D. 1. To lead the farmer to the hidden gold, the dog put his paws against his legs and motioned with his head to some spot behind. When the farmer did not listen to him, he whined and ran to and fro for some minutes. When the old man finally followed him to the spot, the dog began a lively scratching.

2. First of all, the king cleaned the wound by washing it. Then he covered the wound with his handkerchief. He continued to dress the wound until the bleeding stopped entirely. The king gave some water to the wounded man to drink.
The king and the hermit carried the wounded men inside the hut and let him take rest in the hut in the night.

3. The king forgave the bearded man. He showed his forgiveness by offering to send his doctor and servants to take care of the wounded man. He also promised to return his property.

4. Test cricket is a unique game in many ways. It can be played for 5 days and still end with a draw! Other games do not take this much time. A football match usually gets over in an hour-and-a-half.

5. Cricket has become safer with technology. The protective equipment has become better. The cricket helmet are now made up of metal and synthetic materials that are easier to carry. Pads and gloves are made of vulcanized rubber.

❑

Annual Model Test Paper

A. 1. (a) 2. (b) 3. (b) 4. (b)

B. 1. talking 2. hope 3. landed 4. great

C.

(i)	finger tips	the ends of one's fingers
(ii)	the tip of your nose	the pointed end of your nose
(iii)	tip the water out of the bucket	empty a bucket by tilting it
(iv)	have something on the tip of your tongue	be about to say something
(v)	tip the boat over	make the boat overturn
(vi)	tip him a rupee	give a rupee to him, to thank him
(vii)	the tip of the bat	the end of the bat
(viii)	the police were tipped off	the police were told, or warned
(ix)	if you take my tip	if you take this advice
(x)	the bat tipped the ball	the bat lightly touched the ball

D. 1. The speaker in the poem is a young boy.

2. The phrase in the poem that expresses Dad's self-confidence best is: "Easy as winking to a climber like me."
3. The line that suggests that the child is afraid of snakes is: "I saw a snake and ran away..."
4. The author's friend tightened the chain so much that is stopped moving completely. Then he began to loosen it. He loosened it until it became twice as loose as it was before.
5. Every fuel has a specific temperature at which it starts to burn. This specific temperature is called the flash point or kindling temperature of the fuel.

❑